राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार,30 जनवारी–2023 वर्ष–6,अंक–08 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

‘लोकतंत्र हमारी रगों में मौजूद, भारत मदर ऑफ डेमोक्रेसी’, मन की बात में बोले पीएम नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली। साल के पहले और अब तक के 97 वें मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, जनवरी का महीना काफी इवेंटफुल हो रहा है। इस साल गणतंत्र दिवस की काफी प्रशंसा हो रही है। प्रधानमंत्री ने कुछ श्रोताओं के पत्र पढ़े और कहा कि कानपुर से जया लिखती हैं कि इस परेड में पहली बार हिस्सा लेने वाली महिला टुकड़ियों की भी सराहना हो रही है। वहीं देहरादून से एक श्रोता ने लिखा है कि मैं 25 तारीख का इंतजार कर रहा हूं क्योंकि इस दिन पद्म पुरस्कारों की घोषणा होती है। पीएम मोदी ने कहा, पद्म पुरस्कारों की गूंज उन इलाकों में भी सुनाई दे रही है जो कि नक्सल प्रभावित हुआ करते थे। पद्म पुरस्कार पाने वाले हमारे वे साथी हैं जिन्होंने राष्ट्र के लिए जीवन समर्पित कर दिया और सेवाभाव से अपने काम में लगे रहे। हम उन्हें सम्मानित करके देशवासियों का गौरव बढ़ा रहे हैं. आपसे मेरा आग्रह है कि आप पद्म पुरस्कार पाने वाले इन महानुभावों के प्रेरक जीवन के बारे में जानें और औरों को भी बताएं। पीएम मोदी ने कहा, गणतंत्र दिवस की चर्चा पर दौरान में किताब का जिक्र करता हूं। इसका नाम, इंडिया द मदर ऑफ डेमोक्रेसी है। इसमें कई अहम निबंध हैं। हमें गर्व है कि हमारा देश मदर ऑफ डेमोक्रेसी है। सदियों से यह हमारे कामकाज का अहम हिस्सा रहा है। स्वभाव से हम एक डेमोक्रेटिक सोसाइटी है। डॉ. आंबेडकर ने बौद्ध भिक्षु संघ की तुलना भारतीय संसद से की थी।तमिलनाडु के एक शिलालेख का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह एक मिनी संविधान की तरह है जिसमें प्रशासन की बारीकियां बताई गई हैं। उन्होंने कहा, वारंगल के काकीय वंश की गणतांत्रिक परंपराएं बहुत प्रसिद्ध थीं। इस किताब में सिख पंथ की लोकतांत्रिक भावना को शामिल किया गया है जो कि गुरुनानक जी के निर्णयों पर प्रकाश डालता है। मध्य भारत के आदिवासियों की भी इस

● प्रधानमंत्री ने कुछ श्रोताओं के पत्र पढ़े और कहा कि कानपुर से जया लिखती हैं कि इस परेड में पहली बार हिस्सा लेने वाली महिला टुकड़ियों की भी सराहना हो रही है। वहीं देहरादून से एक श्रोता ने लिखा है कि मैं 25 तारीख का इंतजार कर रहा हूं क्योंकि इस दिन पद्म पुरस्कारों की घोषणा होती है। पीएम मोदी ने कहा, पद्म पुरस्कारों की गूंज उन इलाकों में भी सुनाई दे रही है जो कि नक्सल प्रभावित हुआ करते थे।

किताब में जानकारी दी गई है। आप इस किताब को प ढ़ने के बाद महसूस करेंगे कि कैसे देश में सदियों से लोकतंत्र की भावना प्रवाहित होती रही है। इस विष्य पर चर्चा भी करना चाहिए और दुनिया को अवगत भी कराना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, गोवा में एक इवेंट है जिसका नाम है पर्पल फेस्ट। इस इवेंट को 6 से 8 जनवरी तक पणजी में आयोजित किया गया। दिव्यांगजनों को लेकर यह अनूठा प्रयास था। यह बहुत बड़ा मौका था। 50 हजार से ज्यादा भाई बहन इसमें शामिल हुए। यहां आए लोग इस बात को लेकर रोमांचित थे कि अब वह बीच पर घूमने का आनंद उठा सकते हैं। यहां का बीच हमारे दिव्यांग भाई बहनों के लिए आसान बन गया है। यहां फिल्म भी दिखाई गई। पर्पल फेस्ट की खास बात यह भी है कि इसमें देश के प्राइवेट सेक्टर की भी भागीदारी रहती है। इसमें ऐसे प्रोडक्ट दिखाए गए जो कि दिव्यांग फ्रेंडली हैं। मैं इसमें हिस्सा लेने वाले सभी लोगों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, देश के सबसे पुराने विज्ञान संस्थानों में से बेंगलुरु का IISc एक शानदार मिसाल पेश कर रहा है। आपके लिए और मेरे लिए गर्व की बात यह है कि साल 2022 में इस संस्थान के नाम कुल 145 पेटेंट्स रहे हैं. इसका मतलब है कि हर पांच दिन में दो पेटेंट्स। आज पेटेंट फाइलिंग में भारत की रैंकिंग सातवीं है। पांच वर्षों में इसमें करीब पचास फीसदी की वृद्धि हुई है। इनोवेशन रैंकिंग में भी भारत का सुधार हुआ है। एक दिलचस्प बात यह भी है कि भारत में पिछले 11 वर्षों में पहली बार डोमेस्टिक पेटेंट फाइलिंग की संख्या विदेशों से ज्यादै है। हम सभी जानते हैं कि 21वीं सदी की ग्लोबल इकॉनमी में नॉलेज ही सर्वश्रेष्ठ है। हम सभी जानते हैं कि भारत का सपना उनके दम पर जरूर पूरा होगा। पीएम मोदी ने कहा, जलवायु परिवर्तन के बारे में पीएम मोदी ने कहा, वेट लैंड यानी वो स्थान जहां दलदली मिट्टी होती है। सालभर पानी जमा रहता है। दो फरवरी को वर्ल्ड वेटलैंड डे है। हमारी धरती के अस्तित्व के लिए यह जरूरी है। यह बायोडाइवर्सिटी को समृद्ध करने के साथ ही भूमिगत जल को सुरक्षित करते हैं। वेटलैंड भले ही किसी भी देश में हों, कई मानकों पूरा करने का बाद इन्हें रामसर साइट घोषित किया जाता है। आजादी के 75 साल पर रामसर साइट से जुड़ी जानकारी यह है कि हमारे देश में अब हमारे देश में ऐसी साइट कीसंख्या 75 हो गई है। जबकि 2014 से पहले केवल 26 रामसर साइट थीं। यह प्रकृति के साथ सद्भाव पूर्वक रहने की हमारी परंपरा का सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से कहा कि उन्हें कश्मीर जाना चाहिए। बनिहाल से बडगाम तक चलने वाली ट्रेन को लेकर कहा कि यहां का दृश्य लोगों का मन मोह रहा था। यह देश परीलोक की कल्पना सा लग रहा है। एक सोशल मीडिया यूजर ने कहा कि यह स्वर्ग है। आप खुद भी कश्मीर जाइए और अपने साथियों को भी ले जाइए। कश्मीर में बर्फ से ढके पहाड़ के अलावा बहुत कुछ देखने को है। इस बार कश्मीर में खेलों का आयोजन किया गया है।

उप्र में शराब होगी महंगी, मॉडल शॉप की लाइसेंस फीस में हुआ इजाफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य के लिए नई आबकारी नीति तैयार की है। राज्य सरकार के इस प्रस्ताव को कैबिनेट ने भी शनिवार को अपनी मंजूरी दे दी। नई आबकारी नीति में शराब और बीयर की दुकानों की लाइसेंस फीस में दस प्रतिशत बढ़ोत्तरी की गई है। साथ ही सरकार ने अगले वित्तीय वर्ष में आबकारी विभाग से करीब 45 हजार करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने का लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शनिवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इस दौरान कैबिनेट ने राज्य सरकार के कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को पारित किया। मंत्रिमंडल द्वारा पारित नई आबकारी नीति में किए गए प्रावधानों से देशी, अंग्रेजी और प्रीमियम ब्रांड की शराब के दामों में पांच से दस रुपये का इजाफा हो सकता है। देशी मदिरा, विदेशी मदिरा, बीयर एवं भांग की फुटकर दुकानों और मॉडल शॉप का वर्ष 2023-24 के लिए नवीनीकरण हेतु आवेदन पत्र की प्रोसेसिंग फीस और नवीनीकरण फीस में वृद्धि की गई है। मॉडल शॉप की लाइसेंस फीस दो लाख से तीन लाख कर दी गई है। इसके अलावा गोदामों के लाइसेंस की फीस और प्रतिभूति में वृद्धि की गई है। मास्टर वेयरहाउस के पंजीकरण और नवीनीकरण फीस को भी बढ़ा दिया गया है। होम लाइसेंस के लिए मदिरा क्रय, परिवहन एवं निजी कब्जे में रखने की अधिकतम मात्रा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई नीति में देशी एवं अंग्रेजी शराब, बीयर की दुकानों और मॉडल शॉप के खोलने और बंद होने के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। मंत्रिमंडल ने औद्योगिक भूमि की आवश्यकता को सुनिश्चित कराने हेतु निजी औद्योगिक पार्कों के विकास की योजना को अनुमोदित किया है। इस योजना के अन्तर्गत 2500 करोड़ रुपये के रिवॉल्विंग फण्ड का कारपस बनाया जायेगा, जिसके लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में 300 करोड़ रुपये का बजट प्राविधानित है। कारपस फण्ड हेतु पूर्ण धनराशि की व्यवस्था 05 वर्ष में बजट के माध्यम से कर ली जायेगी। इस योजना के अन्तर्गत 10 एकड़ से लेकर 50 एकड़ भूमि पर एमएसएमई पार्क विकसित करने वाले प्रवर्तकों को जिला कलेक्टर रेट पर भूमि के मूल्य का 90 प्रतिशत अथवा औद्योगिक पार्क को विकसित करने हेतु आवश्यक धनराशि में से जो भी कम हो, एक प्रतिशत ब्याज पर उपलब्ध करायी जाएगी।

भारत में पैदा हुआ हर शख्स हिंदू

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान बोले- मुझे भी हिंदू कहिए

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान अकसर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। शनिवार को उन्होंने समाज सुधारक-शिक्षाविद् और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को कोट करते हुए कहा कि उन्होंने भी खुद को हिंदू कहा था। केरल हिंदू ऑफ नॉर्थ अमेरिका की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आप मुझे भी हिंदू कह सकते हैं। वह आर्य समाज के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। खान ने कहा, मेरी आपसे एक गंभीर शिकायत है। आप मुझे हिंदू क्यों नहीं कहते? सर सैयद अहमद खां का हवाला देते हुए आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, कोई भी जो भारत में पैदा हुआ है, यहां का अन्न खाता है और यहां का पानी पीता है उसे हिंदू कहा जा सकता है। आपको भी मुझे हिंदू कहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सर सैयद अहमद खां को भी आर्य

समाज मंदिर द्वारा न्योता दिया गया था। औपनिवेषिक काल के दौरान जब उन्होंने अपना लेजिस्लेटिव कार्यकाल पूरा किया था तो बाकायदा उन्हें रिसेप्शन दिया गया था।

उन्होंने कहा, ब्रिटिश काल के दौरान लोगों को उनके अधिकरियों से वंचित करने के लिए वे हिंदू, मुस्लिम और सिख में बांटने की कोशिश करते थे। उन्होंने कहा, यह एक प्रकास की साजिश है कि हिंदू कहलाने पर एक गलत संदेश धिया जा रहा है। आजादी के पहले भी ऐसे राजा थे जो कि मानते थे कि सनातन धर्म ने सभी का खुले दिल से स्वागत किया है और सबको स्वीकार किया है। बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री को लेकर भी उन्होंने कहा, ब्रिटिश राज्य के बारे में कोई डॉक्यूमेंट्री क्यों नहीं बना दी? जब कलाकार के हाथ काटे गए तो डॉक्यूमेंट्री क्यों नहीं बनाई गई? उन्होंने कहा, कुछ लोग भविष्यवाणी कर रहे थे कि भारत टूट जाएगा और आपस में ही भिड़ जाएगा, वे बहुत निराश हैं। राज्यपाल ने कहा, भारत दुनियाभर में अच्छा काम कर रहा है।

नफरती भाषणों पर मायावती की प्रतिक्रिया

मुगल गार्डेन के नाम बदलने पर सरकार किए ये सवाल

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने नफरती भाषणों और बॉयकॉट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। इसके साथ राष्ट्रपति भवन के मशहूर मुग़ल गार्डेन का नाम बदलने को लेकर सरकार से सवाल किया। दरअसल, कई दिनों से राम चरित मानस पर विवादित बयानों पर राजनीतिक सरगर्मी तेज है। वहीं फिल्म पठान का बायकाट प्रकरण चल रहा है। इस पर मायावती ने सोमवार को ट्वीट किया। मायावती ने लिखा कि कुछ मुट्ठीभर लोगों को छोड़कर देश की समस्त जनता जबरदस्त महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी आदि के तनावपूर्ण जीवन से त्रस्त है लेकिन इसके निदान पर ध्यान केन्द्रित करने के बजाय धर्मान्तरण, नामान्तरण, बायकाट व नफरती भाषणों आदि के जरिए

● बसपा प्रमुख मायावती ने नफरती भाषणों और बॉयकॉट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। इसके साथ राष्ट्रपति भवन के मशहूर मुग़ल गार्डेन का नाम बदलने को लेकर सरकार से सवाल किया।

लोगों का ध्यान बांटने का प्रयास घोर अनुचित व अति-दुःखद। मायावती ने कहा कि ताज़ा घटनाक्रम में राष्ट्रपति भवन के मशहूर मुग़ल गार्डेन का नाम बदलने से क्या देश व यहां के करोड़ों लोगों के दिन-प्रतिदिन की ज्वलन्त समस्यायें दूर हो जाएंगी। वरना फिर आम जनता इसे भी सरकार द्वारा अपनी कमियों व विफलताओं पर पर्दा डालने का प्रयास ही मानेगी।

इससे पहले मायावती ने शानिवार को अलग-अलग ट्वीट कर अडानी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर सरकार को घेरते हुए कई सवाल उठाए । मायावती ने कहा कि इस रिपोर्ट से शेयर बाजार पर बहुत बुरा असर पड़ा है। यह मामला लोगों की गाढ़ी कमाई से जुड़ा है जबकि सरकार चुप है। एक ट्वीट में मायावती ने कहा कि देश में पिछले दो दिनों से गणतंत्र दिवस से ज्यादा प्रमुख अडानी उद्योग ग्रुप के संबंध में अमेरिकी फर्म हिंडनबर्ग की आई निगेटिव रिपोर्ट से शेयर बाजार पर व्यापक बुरा प्रभाव आदि काफी चर्चाओं में है। सरकार चुप है जबकि देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई उससे जुड़ी हुई है।

पंचायत जूनियर क्लर्क की परीक्षा स्थगित, 9 लाख से ज्यादा ने भरा था फॉर्म

अहमदाबाद। उत्तराखंड, राजस्थान और बिहार के बाद गुजरात में भी पेपर लीक का मामला सामने आया है। गुजरात में पेपर लीक हो जाने के कारण पंचायत जूनियर क्लर्क भर्ती परीक्षा स्थगित कर दी गई है। रविवार सुबह 11 बजे से होनी थी परीक्षा। गुजरात पंचायत सेवा चयन आयोग से मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले में एक आरोपी इसाम को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि उसके पास से परीक्षा का पेपर मिला है। पंचायत जूनियर क्लर्क के लिए होने वाली परीक्षा में नौ लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थी परीक्षा केंद्रों पर पहुंच चुके थे। पेपर लीक का

मामला आने के बाद परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी बयान दिया है। केजरीवाल ट्वीट कर सवाल पूछा कि गुजरात में लगभग हर परीक्षा का पेपर लीक क्यों जाता है? उन्होंने गुजरात सरकार पर युवाओं का भविष्य खराब करने का भी आरोप लगाया है।

अभ्यर्थियों को मुफ्त में बस से वापसी

पंचायत जूनियर क्लर्क का पेपर लीक हो जाने के बाद सरकार ने सभी अभ्यर्थियों को उनके घर वापस जाने के लिए बस में मुफ्त यात्रा का कराने का आदेश दिया है। सीएमओ के अनुसार, परीक्षा केंद्रों पर दूर से आए अभ्यर्थियों को उनके घर तक गुजरात राज्य सड़क परिवह की बस में एडमिट कार्ड दिखाने पर कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

31 जनवरी से आम लोगों के लिए खुलेगा राष्ट्रपति भवन का बगीचा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन के बगीचों का नाम बदलकर अमृत उद्यान कर दिया गया है। यह उद्यान 31 जनवरी से 26 मार्च तक करीब दो माह के लिए जनता के लिए खुलेगा। राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट के मुताबिक, यह उद्यान कुल 15 एकड़ में फैला हुआ है। अमृत उद्यान में हर्बल गार्डन, सेंट्रल लॉन, सर्कुलर गार्डन, लॉन्ग गार्डन और बोनसाई गार्डन शामिल हैं। इस उद्यान को राष्ट्रपति निवास की आत्मा के रूप में चित्रित किया जाता है। राष्ट्रपति की उप प्रेस सचिव नविका गुप्ता ने बताया, देश की राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन के उद्यानों को अमृत उद्यान के रूप में इस गार्डन का नाम दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 29 जनवरी को अमृत उद्यान का उद्घाटन करेंगी।

करीब दो माह के लिए जनता के लिए खुलेगा उद्यान

अमृत उद्यान को 31 जनवरी से 26 मार्च तक करीब दो माह के लिए जनता के लिए खोला जाएगा। हालांकि यह उद्यान सोमवार को रखरखाव और आठ मार्च को होली के अवसर पर बंद रहेगा। उद्यान 28 मार्च से लेकर 31 मार्च तक किसान, विकलांग व्यक्ति, रक्षा बलों के कर्मी, अर्धसैनिक बल और पुलिस, और आदिवासी महिलाओं के स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सहित अन्य महिलाएं और विशेष क्षेणी के लोगों के लिए खुलेगा।

● उद्यान में जाने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रपति सचिवालय, राष्ट्रपति भवन की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना स्लॉट ऑनलाइन बुक करना होगा।

कोई भी कर सकता है उद्यान का दीदार

अमृत उद्यान में कोई भी सुबह 10 बजे से लेकर शाम चार बजे तक बगीचों का दौरा कर सकता है। इसके लिए छह स्लॉट दिए गए हैं। इस दौरान दोपहर के दो स्लॉट में करीब 7500 आगंतुकों को अनुमति दी जाएगी, जबकि अधिकतम 10,000 लोग दोपहर के चार स्लॉट में 12 बजे से 4 बजे तक यात्रा कर सकते हैं। उद्यान में प्रवेश गेट नंबर 35 से होगा।

इस प्रकार करें अपने स्लॉट की बुकिंग

उद्यान में जाने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रपति सचिवालय, राष्ट्रपति भवन की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना स्लॉट ऑनलाइन बुक करना होगा। इसके लिए गार्डन में उपलब्ध काउंटरों पर भी पंजीकरण कराकर स्लॉट बुक किए जा सकते हैं। इसके लिए राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 12 स्वयं सेवा कियोस्क पर भी पंजीकरण करना होगा। उद्यान का दौरा करने वाले सभी आगंतुकों का प्रवेश निःशुल्क है।

ममता, अखिलेश और अब नीतीश ने भी डाला ‘रंग में भंग’, फीकी रह जाएगी भारत जोड़ो यात्रा की चमक

नई दिल्ली। राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा सोमवार को 30 जनवरी के दिन जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में समाप्त होने जा रही है। इस दिन कांग्रेस विपक्षी नेताओं को एक मंच में बुलाकर 2024 से पहले विपक्षी एकता का संदेश देना चाहती है। इस संदेश के साथ ही कांग्रेस की कोशिश है कि वह भाजपा के खिलाफ खुद को विपक्षी पार्टियों के सरदार के रूप में दिखा सके। कांग्रेस की यह कोशिश कितनी रंग लाएगी यह तो वक्त बताएगा लेकिन, सूत्रों से पता लगा है कि 12 दल ही इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। जबकि, 9 दलों ने इस कार्यक्रम से परहेज किया है। सुरक्षा का हवाला देते हुए समारोह के किनारा करने वाले दलों में टीएमसी, समाजवाटी पार्टी और टीडीपी शामिल हैं। अब नीतीश की पार्टी ने भी यात्रा के समापन कार्यक्रम से दूरी बना दी है। यहां यह गौर करने वाली बात है कि कांग्रेस ने समापन कार्यक्रम के लिए केजरीवाल और केसीआर को निमंत्रण नहीं भेजा था। सूत्रों ने आज बताया कि समान विचारधारा वाले 12 विपक्षी दल सोमवार को भारत जोड़ो यात्रा के समापन समारोह में शामिल होंगे। समारोह के लिए 21 दलों को आमंत्रित किया गया था, लेकिन कुछ सुरक्षा कारणों से इसमें शामिल नहीं हो रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और टीडीपी उन पार्टियों में शामिल हैं, जो इस समारोह में शामिल नहीं होंगे।

इसके अलावा जेडीयू ने भी समापन कार्यक्रम से खुद को अलग कर दिया है। न्यूज 18 के मुताबिक, ललन सिंह ने कहा कि चुनाव व्यस्तता के चलते उनकी पार्टी का कोई भी नेता कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकेगा।

ये दल होंगे शामिल

एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके), शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), तेजस्वी यादव की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), उद्धव ठाकरे की शिवसेना, सीपीआई (एम), सीपीआई विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके), केरल कांग्रेस, फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, महबूबा मुफ्ती की जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), और शिबू सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) श्रीनगर में समारोह में भाग लेंगे।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी शनिवार को यात्रा के लिए भाई राहुल गांधी के साथ शामिल हुईं, जो एक कथित सुरक्षा उल्लंघन के कारण शुक्रवार को रद्द किए जाने के बाद अवंतीपोरा के चेरसू गांव से फिर से शुरू हुई थी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती भी अवंतीपोरा से यात्रा में शामिल हुईं।

कांग्रेस से क्यों किनारा कर रहे विपक्षी दिग्गज

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा ने 3 जनवरी को यूपी में प्रवेश किया था। यात्रा में शामिल होने के लिए कांग्रेस ने मायावती, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी दिग्गजों को न्यौता दिया था लेकिन, वे यात्रा में शामिल नहीं हुए। कांग्रेस ने संदेश दिया था कि वह यूपी में सिर्फ तीन दिन ही रहेगी, ऐसे में विपक्षी दलों का भाजपा को कड़ा संदेश देना जरूरी है। तमाम कोशिशों के बावजूद कांग्रेस को यूपी में दिग्गजों का साथ नहीं मिला। इसके अलावा पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी भारत जोड़ो यात्रा से किनारा किया था। ममता पहले भी कांग्रेस को मुख्य विपक्षी दल या विपक्ष का चेहरा कहने से नकार चुकी है।

बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से 7 सितंबर को शुरू हुई और लगभग 145 दिनों में 3,970 किमी, 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करने के बाद 30 जनवरी को श्रीनगर में समाप्त होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नये दौर के रिश्ते

मिस्र उन देशों में शुमार है जिनके साथ आजादी के चंद दिनों के बाद कूटनीतिक रिश्ते कायम हो गये थे। पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल जमाल नासिर की दोस्ती दुनिया भर में चर्चा में रही है। ये दोनों कालांतर गुटनिरपेक्ष संगठन के आधार स्तंभ भी बने। लेकिन बाद में कतिपय कारणों से दोनों देशों के संबंधों में ठहराव आ गया भी। फिर कोरोना संकट के दौर में दोनों फिर तब करीब आए जब मिस्र ने मेडिकल ऑक्सीजन आपूर्ति में भारत का सहयोग किया। वैसे ही भारत ने भी रूस-यूक्रेन संकट के चलते गेहूं आपूर्ति बाधित होने पर मिस्र की मदद की है। निस्संदेह, अब मिस्र के राष्ट्रपति के तीन दिवसीय भारत दौरे से इन रिश्तों में गर्माहट बढ़ी है। दरअसल, मिस्र के राष्ट्रपति अब्दुल फतह अस-सीसी हालिया गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि बनकर भारत आये थे। इस दौरान पांच महत्वपूर्ण समझौते भी हुए। खासकर रक्षा क्षेत्रों में दोनों देश सहयोग बढ़ाने को तैयार हुए हैं। वास्तव में भारत मिस्र को स्वनिर्मित हथियारों के बड़े बाजार के रूप में देखता है। काहिरा भी भारतीय रक्षा उपकरणों में रुचि दिखाता रहा है। निस्संदेह, हालिया प्रयासों से दोनों देशों के संबंधों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। खासकर भारत-मिस्र ने जिस तरह आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता जतायी है, वह उम्मीद जगाती है। विशेष रूप से मिस्र ने उन देशों की आलोचना की है जो आतंकवाद को समर्थन करते हैं। निश्चित रूप से अपरोक्ष रूप से पाकिस्तान को संदेश दिया गया है। इसके अलावा इस्लामिक देशों का संगठन जिस तरह कश्मीर के मुद्दे पर पाक के इशारे पर भारत विरोधी रवैया अपनाता है, मिस्र से हमारी दोस्ती उसमें काम आ सकती है। साथ ही भारत व मिस्र साइबर सुरक्षा, सूचना प्रोद्योगिकी, प्रसारण व संस्कृति जैसे मामलों में सहयोग करने पर सहमत हुए हैं। इस हकीकत को स्वीकारा गया है कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में दोनों देशों की दोस्ती के गहरे निहितार्थ हैं। निस्संदेह, अफ्रीका महाद्वीप में मिस्र जैसा मित्र होना भारत के लिये कई मायनों में महत्वपूर्ण है। दोनों देशों के कूटनीतिक संबंधों के 75 साल पूरा होना इस बात का परिचायक है कि पुराने रिश्तों में निर्विवाद स्वाभाविक प्रवाह है। भारतीय नेतृत्व को इस बात का अहसास है कि उसके साथ बेहतर संबंधों से देश मध्य पूर्व में सार्थक भूमिका निभा सकता है। मिस्र केवल अफ्रीका ही नहीं, मध्य एशिया में मिस्र प्रभावपूर्ण उपस्थिति रखता है। व्यावसायिक दृष्टि व अंतर्राष्ट्रीय कारोबार के नजरिये से भी भूमध्य सागर व हिंदमहासागर के बीच आवाजाही में मिस्र महत्वपूर्ण घटक है। जिसकी वजह एशिया को यूरोप से जोड़ने वाली स्वेज नहर का निर्णायक मार्ग भी है। जिससे हमारे व्यापारिक हित भी जुड़े हैं। वहीं तस्वीर का दूसरा पहलू यह भी है कि मिस्र फिलहाल विषम आर्थिक परिस्थितियों से दो-चार है। घटता विदेशी मुद्रा भंडार उसकी बड़ी चिंता है, अत- वह भारतीय कारोबारियों के बड़े निवेश की आस लगाये हुए है। यूं तो भारतीय उद्योगपतियों ने मिस्र के ऊर्जा, वाहन निर्माण तथा रसायन उद्योगों में बड़ा निवेश किया है। वहीं हालिया रूस-यूक्रेन युद्ध से खाद्य आपूर्ति में आई बाधा ने मिस्र की दिक्कतों को बढ़ाया है। यही वजह है कि मुश्किल वक्त में मिस्र पुराने मित्र भारत की ओर देख रहा है। जिस पर भारत ने भी सकारात्मक प्रतिसाद दिया है। तभी गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बावजूद भारत ने मिस्र की मदद की है।

गांधी अभी भी जिन्दा है

यह विडंबना ही कहा जाय कि अहिंसा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाकर अंग्रेजों को देश से बाहर का रास्ता दिखाने वाले महात्मा गांधी खुद हिंसा का शिकार हुए। वह उस दिन भी रोज की तरह शाम की प्रार्थना के लिए जा रहे थे। उसी समय गोडसे ने उन्हें बहुत करीब से गोली मारी और साबरमती का संत हे राम कहकर दुनिया से विदा हो गया। अपने जीवनकाल में अपने विचारों और सिद्धांतों के कारण चर्चित रहे मोहन दास करमचंद गांधी का नाम उनकी मृत्यु के बाद दुनियाभर में कहीं ज्यादा इज्जत और सम्मान से लिया जाता है। गांधी मरे नहीं वरन उन्हें मार दिया गया। जिंदा तो दुनिया में सदा रहने आया कोई नहीं जिस तरह वह गए वैसे जाता भी नहीं कोई। पूरी दुनिया के सामने एक अमिट गाथा लिख दी। डॉ राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि 19वीं शताब्दी में दो महान घटनाएं हुई एक गांधी और दूसरा आइंस्टीन। एक ने दुनिया को अहिंसा और दूसरे ने हिंसा एक ने सत्याग्रह और दूसरे ने अणुबम दिया है।

(लेखक-कुमार कृष्णन)

30 जनवरी 1948 का दिन शाम होते होते यह दिन इतिहास में सबसे दुखद दिनों में शुमार हो गया। इस दिन शाम को नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की जान ले ली। यह विडंबना ही कहा जाय कि अहिंसा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाकर अंग्रेजों को देश से बाहर का रास्ता दिखाने वाले महात्मा गांधी खुद हिंसा का शिकार हुए। वह उस दिन भी रोज की तरह शाम की प्रार्थना के लिए जा रहे थे। उसी समय गोडसे ने उन्हें बहुत करीब से गोली मारी और साबरमती का संत हे राम कहकर दुनिया से विदा हो गया। अपने जीवनकाल में अपने विचारों और सिद्धांतों के कारण चर्चित रहे मोहन दास करमचंद गांधी का नाम उनकी मृत्यु के बाद दुनियाभर में कहीं ज्यादा इज्जत और सम्मान से लिया जाता है। गांधी मरे नहीं वरन उन्हें मार दिया गया। जिंदा तो दुनिया में सदा रहने आया कोई नहीं जिस तरह वह गए वैसे जाता भी नहीं कोई। पूरी दुनिया के सामने एक अमिट गाथा लिख दी। डॉ राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि 19वीं शताब्दी में दो महान घटनाएं हुई एक गांधी और दूसरा आइंस्टीन। एक ने दुनिया को अहिंसा और दूसरे ने हिंसा एक ने सत्याग्रह और दूसरे ने अणुबम दिया है। महात्मा गांधी ऐसे शख्सियत हुए जिन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन अर्थात सत्याग्रह की अवधारणा को दुनिया में जमीन पर उतारा। गांधी खुद बनाई सत्याग्रह की भट्टी में तप कर निकली आग उससे निकली रोशनी और तप से बने पारस थे। सत्याग्रह उनकी अद्भुत खोज है ।हर छोटे से छोटे कमजोर से कमजोर आदमी को सत्य और न्याय के लिए बड़े से बड़े ताकतवर आदमी के जुल्मो-अन्याय के खिलाफ अहिंसा से लड़ने की राह गांधी ने ही दिखाई है। दक्षिण अफ्रीका प्रवास के दौरान मोहनदास करमचंद गांधी ने रंगभेद का दंश भोगा। महसूम भी किया और पहचाना कि यह दंश महारोग का एक लक्षण मात्र है। उसका सहज एक परिणाम। असल महारोग है- रंग-द्वेष ।इस महारोग की शिनाख्त के पश्चात गांधी ने मन ही मन सोचा कि मेरा कर्तव्य क्या है? मुझे यहां रहकर अपने हक और हकूक के लिए संघर्ष करना चाहिए? या अपने मुल्क लौट जाना चाहिए? अथवा अपमान का दंश सहकर अपना काम खत्म करके अपने देश वापस जाना चाहिए? गांधी ने संघर्ष की राह चुनी। इस निर्णय के बाद वे सार्वजनिक जीवन की तरफ कदम- दर- कदम बढ़ाने लगे। लोगों से जुड़ते गए। संस्था बनाई। संगठन बनाया। इंडियन ओपिनियन अखबार निकाला। दोहरी चुनौती थी गांधी के सामने ।एक रंगभेद निजाम की नीतियों के खिलाफ संघर्ष। इससे सम्बद्ध एक चुनौती और भी थी। रंगभेद की मार्फत जिन्हें विशेषाधिकार हासिल था उसके नजारा सा संघर्ष। दो दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले भारतीय जो रोज-ब-रोज रंगभेद का दंश झेलते हुए इसे वैद्य सहज एवं स्वाभाविक मान चुके थे उनकी मानसिक बुनावट से संघर्ष। इन्हें रंगभेद की अमानवीयता का एहसास कराना यह समझाना कि रंगभेद की मुखालफत में एकजुट होकर संघर्ष करना हमारा फर्ज है कि इससे निजात पाया जा सकता है। संघर्ष के पक्ष में लोगों को बनाए रखने और संघर्ष को अपने नजरिए के हिसाब से जारी रखने के साथ-साथ जिससे संघर्ष कर रहे थे उसे अपना पक्ष समझाने के लिए गांधी को भाषण करते लेख लिखते। दक्षिण अफ्रीका में हुए संघर्ष में गांधी केंद्रीय शख्सियत के रूप मे उभरे। सैकड़ों साल की गुलामी से जकड़े भारत का तन और मन दोनों ही बीमार थे ।वो सीधे तन कर खड़ा भी न हो सकता था। उसे बोलने में भी डर लगता था। गांधी ने इस लाचारी को सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने पर 1917 में अंग्रेजों द्वारा बिहार में चंपारण में अंग्रेजो के खिलाफ उनके द्वारा चलाए गए सत्याग्रह आंदोलन में देखा। उन्होंने सत्याग्रह की अवधारणा धारण कर भारत की आजादी के लिए उसके टूटे मन को ताकत देने का काम इस तरह किया कि जो लड़ नहीं सकते वह बोल तो सकते हैं बोल नहीं सकते तो मौन समर्थन तो दे सकते हैं। कमजोर से कमजोर के दिल- दिमाग में एक आग प्रज्वलित कर रोशनी देने का काम किया। पूरे देश और दुनिया को भारत की गुलामी की और उसके दर्द की तस्वीर दिखाई। आग से निकली गांधी रूपी रोशनी में जो भी नही लिया या तपकर बने गांधी रूपी पारस को जिसने भी छू लिया वह सोना बन गया। उसके घर में आजादी की आग लग गई।पं मोतीलाल नेहरू ने भी उस आग में तपकर बने गांधी रूपी पारस को छू लिया। उनका पूरा परिवार जो अंग्रेज कमिश्नर अमीर उमराव की पार्टी से रोशन होता था। देश की आजादी के लिए वह पूरा परिवार जेल जाने लगा। खान अब्दुल गफ्फार खान नेल्सन मंडेला मार्टिन लूथर राम मनोहर लोहियालोकनायक जयप्रकाश नारायण से लेकर आजादी इंसाफ और इंसानियत के लिए मर मिटने वालों की एक लंबी श्रृंखला है। जो गांधी रूपी पारस को छूकर सोना और सत्याग्रह की भट्टी में तप कर खुद पारस बन गए। आग को जिसने भी छुआ उसकी रोशनी जहां भी पहुंची उसकी जिंदगी में रात का अंधकार खत्म हुआ और नया सवेरा आ गया। गांधी ने दुनिया में जिस अंग्रेजी राज की हुकूमत चलती थी जिसका सूरज कभी नहीं डूबता था उसके हीरे मोती सूट-बूट में वायसराय के साथ अपनी धोती में लिपटी अर्धनग्न देह में एक टेबल पर एलुमिनियम के डब्बे में खुद का बना सादा खाना खाया। जो सामान्य अंग्रेज के साथ संभव नहीं था। यह विचित्र किंतु सत्य का नजारा था लेकिन पाखंड का वाहक नहीं था। बहुत ही स्वाभाविक था। गांधी ने अपनी पत्नी को डांट कर उनसे आश्रम में शौचालय साफ करवाया। पुत्र का विद्रोह झेला। गांधी के सिद्धांतों से उनका आश्रम भी जेल था और सत्याग्रह से जेल भी आश्रम था। गांधी आजादी में आजादी में हिंसक बनकर राह भटकने पर आंदोलन समाप्त कर देते थे। उन्हें साधन की अपवित्रता मंजूर नहीं थी। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के दौरान गांधी महज देश की आजादी के लिए प्राण-पण से नहीं जुटे थे अपितु इसके साथ ही अपने आदर्श के अनुकूल लोगों का मानसिक बुनावट रचने के प्रयास कर रहे थे। गांधी प्रयासरत थे एक ऐसे सम्पूर्ण मनुष्य की रचना में जो भौतिक और आध्यात्मिक रूप से विकसित हो। सुप्रसिद्ध गांधीवादी विचारक एवं पद्मश्री से सम्मानित प्रो. रामजी सिंह बताते हैं कि -अपने विचार को जाहिर करने के लिए गांधी ने हिंद स्वराज रचा। इस किताब में हिंदुस्तान की वास्तविक दशा बताई और अपने विचार की दिशा भी बताई। वह पुस्तक गांधी की चेतना व चिंतन की बुनियाद भी है और बुलंदी भी।अपनी सोच को अमली रूप देने के लिए गांधी ने कई प्रयोग किए। जो सोचा अपने विचार जाहिर किए उस मार्ग पर पहला कदम खुद बढ़ाया। अपने मूल दृष्टिकोण- सत्य और अहिंसा का पक्ष अनेक मौकों पर स्पष्ट किया। इसकी अहमियत पर अनेक दफा प्रकाश डाला। गांधी अंग्रेजों से भारत को आजाद कराने के लिए लड़े। गांधी की मातृभाषा गुजराती थी किन्तु उन्होंने देश की एकता के लिए हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने हिमायत की।15 अक्टूबर 1917 को भागलपुर के कटहलबाड़ी क्षेत्र में बिहारी छात्रों का सम्मेलन और महात्मा गांधी का अध्यक्षीय उदगार महत्वपूर्ण है।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

चुनाव की तरफ बढ़ता पाकिस्तान चौराहे पर

आर्थिक बदहाली व अस्थिरता/ जी. पार्थसारथी

ऐसा कभी-कभार होता है जब कभी पाकिस्तान के किसी मौजूदा या सेवानिवृत्त वरिष्ठ सिविल अथवा सेना अधिकारी ने भारत की तारीफ की हो। इसलिए पाकिस्तान के प्रतिष्ठित 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार में 13 जनवरी को एयर वाइस मार्शल शहज़ाद असलम चौधरी (सेवानिवृत्त) का लेख पढ़कर हैरानी हुई। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के लेख में चौधरी ने भारत की विदेश नीति की प्रशंसा करते हुए कहा है कि एक ओर भारत को रूस से रियायती शर्तों पर भरपूर तेल मिल रहा है तो वहीं चीन से पेश चुनौतियों से निपटने के लिए भारत-अमेरिका के निकट संबंध हैं। उन्होंने यहां तक कह डाला कि भारत ने अपने संविधान से अनुच्छेद 370, जिसमें सूबे को भले ही विवादित क्षेत्र नहीं माना लेकिन विशेष दर्जा तो दिया ही था, को हटाकर जम्मू-कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान को राजनीतिक मात दी है। चौधरी ने भारत के आईटी उद्योग, अग्रणी उद्योपतियों के अलावा प्रधानमंत्री मोदी और मनमोहन सिंह की विशेष रूप से प्रशंसा की है। चौधरी ने कहा पाकिस्तान को अनुच्छेद 370 हटाने में अंतर्निहित अर्थ को बूझने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में सेवानिवृत्त हुए पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा के अमेरिका के साथ बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। बाइडेन प्रशासन और पाकिस्तानी सरकार के बीच संवाद में वे एक महत्वपूर्ण माध्यम थे और भारत से रिश्ते सुधारने के हामी भी। हालांकि लेख के पीछे एयर वाइस मार्शल चौधरी की असल मंशा क्या है, यह जानना संभव नहीं, लेकिन कोई कह सकता है कि भले ही सैन्य प्रतिष्ठान भारत के साथ संबंधों के आकलन में अपनी सरकार की 'साहसिक नीतियों' पर भरोसा जताने का दावा करे, किंतु इसकी जमीनी हकीकत और सीमाओं से अनजान नहीं है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ़ को मध्यमार्गी माना जाता है परंतु वे राजनीतिक भंवर में फंसे हैं, इस साल के अंत में आम चुनाव होने हैं और इमरान खान की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। पंजाब के मुख्यमंत्री परवेज़ इलाही, जो कि इससे पहले चुनावी राजनीति में शाहबाज़ शरीफ़ के सहयोगी रहे हैं, ने प्रधानमंत्री की तमाम कोशिशों के बावजूद इस्तीफा दे दिया है और इमरान खान के साथ जाने की घोषणा कर दी है। इससे सूबे में विधानसभा चुनाव फिर से करवाने पड़ेंगे और इमरान खान की वर्तमान लोकप्रियता से संकेत है कि उनकी तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी और सहयोगी दल निर्णायक बहुमत पा सकते हैं। अतः संसदीय चुनाव से पहले भारत-पाक अर्थपूर्ण वार्ता या कोई नया हल निकलने की संभावना क्षीण है। जगजाहिर है कि प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ़ को 'ऊपर' से संदेश मिला है कि भारत को लेकर बयानों में संयम रखें और इसकी बाकायदा पालना करते हुए वे जम्मू-कश्मीर पर पुराना राग अलापने लगे हैं और वार्ता के लिए जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 पुनः लगाने की शर्त रख रहे हैं। इसके अतिरिक्त विदेशमंत्री बिलावल भुट्टो और गृहमंत्री हिना रब्बानी खार के बयानों की तर्ज और तुर्शी को एतराज योग्य ही कहा जाएगा। इस बीच हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा को भंग करवाने में इमरान खान का खासा असर रहा है। पिछले दिनों प्रांत के राज्यपाल ने विधानसभा 'तुरंत प्रभाव' से भंग करने वाले दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए हैं। इन तमाम जटिलताओं के बीच, पाकिस्तानी वित्त मंत्री इशहाक डार और धन प्रदाता जैसे कि विश्व बैंक और आईएमएफ के बीच खिंचाव पैदा हुआ दिखाई देता है। हालांकि जेनेवा में हुए अंतर्राष्ट्रीय धन-प्रदाता सम्मेलन के बाद इनके अधिकारियों की हुई बातचीत के बाद प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ ने दावा किया कि मुलाकात बहुत सफल रही और बताया कि सम्मेलन ने पाकिस्तान के बाढ़ पीड़ितों के लिए 9.7 बिलियन डॉलर की मदद देना मंजूर किया है। इसके बाद यूएई ने भी पाकिस्तान को 2 बिलियन डॉलर बतौर मदद देने की घोषणा की है। यहां लगता है कि ये मुल्क पाकिस्तान और अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष के बीच चली हुई समझौता वार्ता का परिणाम देखने के बाद ही धन जारी करेंगे। पाकिस्तान में इस साल के अंत में राष्ट्रीय और सबसे ज्यादा आबादी वाले पंजाब समेत अन्य प्रांतीय चुनाव होने हैं, खैबर-पख्तूनख्वा सूबे में भी। लगता है इस बार इमरान खान की पार्टी को सिंध में भी पैर टिकाने में कुछ सफलता हासिल होगी। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ के निर्वासन से हाल-फिलहाल तुरूप का पत्ता इमरान खान के हाथ में लगता है। इमरान खान को आमतौर पर भारत विरोधी माना जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, जिन्हें 1980 के दशक में इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्च आयोग में काम करने का अनुभव है, की वर्ष 2020-21 में तत्कालीन आईएसआई मुखिया और इमरान खान के पसंदीदा जनरल फैज़ हमीद से पर्दे के पीछे वार्ताएं हुई थीं। हालांकि फिलहाल ऐसे किसी संवाद की संभावना नगण्य है। कयास है कि इमरान खान को आगामी राष्ट्रीय चुनाव में निर्णायक जीत मिल सकती है। हालांकि इससे बाइडेन प्रशासन को मायूसी होगी क्योंकि उसे इमरान खान पसंद नहीं। संसद में बहुमत खोने से पहले इमरान खान की आखिरी मुख्य विदेश यात्राओं में एक थी रूस जाकर पुतिन से मिलना। वित्तीय संस्थान जैसे कि आईएमएफ और विश्व बैंक पाकिस्तान को कोई बड़ी आर्थिक सहायता मंजूर करने से पहले सावधानीपूर्ण नज़रसाजी करेंगे। इसके अलावा फिर से पाकिस्तान के सबसे बड़े दानकर्ता बने सऊदी अरब को भी इमरान खान की सरकार बनना रास नहीं आएगा। भारत ने साफ कर रखा है कि वह उस पाकिस्तान के साथ 'सामान्य और दोस्ताना पड़ोसी संबंध' चाहता है, जो 'आतंकवाद, शत्रु-भाव और हिंसा से मुक्त' हो। आज पाकिस्तान को बलूचों के अलावा पश्तूनों की तहरीक-ए-तालिबान ऑफ पाकिस्तान से गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जिनकी मदद अफगानिस्तान के हमबिरादर तालिबान कर रहे हैं। आने वाला समय, जिसमें आम चुनाव होना है, पाकिस्तानी सरकार और नवनियुक्त सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर- जिनके रुख में भारत के साथ संबंधों की मुख्य कुंजी छिपी है- दोनों के लिए शंका और अनिश्चितता भरा होगा।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

विचार मंथन

मोदी सरकार : चुनौतियों के साथ तीसरी पारी की तैयारी....?

(लेखक - ओम प्रकाश मेहता)

आजादी बाद भारत के अब तक के 75 सालों में प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं उनकी बेटी स्वर्गीय इंदिरा गांधी के अलावा किसी भी प्रधानमंत्री ने शासनकाल की तीसरी पारी में प्रवेश नहीं किया अब इन दोनों स्वर्गीय कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों के बाद मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी अपने शासनकाल की तीसरी पारी की तैयारी कर रहे ही और मौजूदा राजनीतिक हालातों को देखते हुए तो यह लग भी रहा कि वे आसानी से अपने शासनकाल की तीसरी पारी मैं प्रवेश कर भी लेंगे आज से करीब 9 साल पहले 2014 में जब पहली बार मोदी जी प्रधानमंत्री बने थे तब उन्होंने संसद में नतमस्तक होकर पहली बार प्रवेश किया था इससे पहले वह गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी तीसरी पारी की शुरुआत कर चुके थे उनके सामने उनकी ही पार्टी के लालकृष्ण आडवाणी तथा डॉ मुरली मनोहर जोशी जैसे दिग्गज नेता विराजमान थे किंतु मोदी जी सब पर भारी पड़े और प्रयोग के बगैर बनाए गए प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ज्ञान तथा राजनीतिक कौशल से इस सर्वोच्च सिंहासन पर स्थाई कब्जा कर लिया और वह कबजा अभी भी बरकरार है। ऐसा कतई नहीं है कि भारतीय राजनीति की विसंगतियां मोदी जी के साथ जुड़ी नहीं है उनके 10 साला शासनकाल में लिए गए बहुचर्चित फैसलों को काफी चर्चित व विवादास्पद बनाने के प्रयास किए गए किंतु मोदी जी की सूझबूझ और राजनीतिक पटुता ने उन्हें अंजाम तक नहीं पहुंचने दिया। इन में जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति व सीएए जैसे फैसले है जो काफी चर्चित रहे किंतु इनके बाद भी मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 2019 में पहले से भी अधिक बड़ी सफलता प्राप्त की और अब अगले साल होने वाले आम चुनावों में भाजपा पिछले 10 सालों से भी बड़ी जीत की उम्मीद लगाए बैठी है जबकि न्यूज़ चैनलों का पूर्वानुमान इस उम्मीद से थोड़ा उलट है। मोदी जी की इस दिग्विजय उपलब्धि के पीछे सबसे बड़ा श्रेय राजनीतिक हालातों को जाता है जब देश के राजनीतिक क्षितिज पर मोदी के अलावा कोई भी अन्य चमकदार सितारा शेष ही नहीं रहा। पिछले 9 सालों से देश में प्रतिपक्ष का तो सितारा ही अस्त हो गया प्रतिपक्ष में कोई ऐसी राजनीतिक हस्ती रही ही नहीं जो मोदी को किसी भी तरह की चुनौती दे सके? मोदी के स्थायित्व का यह भी एक बड़ा और अहम कारण है करीब 130 साल की उम्रजदा कांग्रेस अब इतनी अधिक बूढ़ी और कुबड़ी हो चुकी है कि वह देश की सत्ता का भार उठाने लायक ही नहीं रही उसके युवा नेता अनुभवहीन और छिछोरे साबित हो रहे हैं इसलिए आज वह प्रति पक्ष दलों की पंक्ति में आप और सपा के बाद तीसरे क्रम पर चली गई है अब यह अपनी इस उम्र मैं भी नित नए भारत जोड़ो जैसे नए-नए प्रयोगों में जुटी हुई है इस पार्टी के जिन वरिष्ठ नेताओं से थोड़ी बहुत उम्मीद थी वह या तो स्वर्ग सिधार गए या फिर हालातों से घबराकर पार्टी छोड़ कर चले गए इस प्रकार यह पार्टी आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के उस परामर्श को याद करने को मजबूर है जिसमें महात्मा गांधी ने आजादी के बाद जवाहरलाल को पार्टी को खत्म करने की सलाह दी थी और नेहरु जी ने उनकी सलाह को अनदेखा कर दिया था आज गांधी जी के उसी श्राप को यह पार्टी झेल रही है और अस्ताचल की ओर मुखातिब है। हां तो हम मोदी जी की तीसरी पारी की बात कर रहे थे आज राजनीतिक हालात यह है कि एक और जहां मोदी जी तीसरी पारी की तैयारी में जुटे हैं तो देश के प्रमुख प्रतिपक्ष दल एकता का राग अलाप कर अगले साल सत्ता हथियाने के रंगीन सपने देख रहे हैं सभी को पता है कि मोदी जी की सत्ता का पिंजरा तब तक ही मजबूत है जब तक कोई बाज रुपी प्रतिपक्षी दल झपट्टा मारने लायक ना हो इसलिए चाहे वे राहुल गांधी हो चाहे नीतीश कुमार हो या कि अरविंद केजरीवाल सभी बाज पक्षी बनने की स्पर्धा में जुटे हैं और हर कोई सत्ता के रंगीन ख्वाब में खोया है। इस प्रकार कुल मिलाकर अगले साल चुनाव में अभी करीब 400 दिन शेष है और इससे पहले 200 दिन वाले विधानसभाओं के चुनाव भी होना है सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तिकड़म में व्यस्त हो गए हैं और यह तय है कि अब केंद्र में अगले 400 और चुनावी राज्यों में अगले 200 दिनों तक कोई किसी की सुनने वाला नहीं है आम जनता खुद ही अपने बारे में सोचें और फैसला ले।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आर्थिक वृद्धि मुद्रास्फीति व मुद्रा के ताजा आंकड़े बताते हैं वित्त बाजारों का सबसे बुरा दौर पीछे छूटा : दास

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि आर्थिक वृद्धि मुद्रास्फीति और मुद्रा के ताजा आंकड़े बताते हैं कि वित्त बाजारों और विश्व अर्थव्यवस्था का सबसे बुरा दौर पीछे छूट चुका है। दास ने साथ ही कहा कि उच्च दरें लंबे समय तक बनी रह सकती हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2023 में उल्लेखनीय रूप से गिरावट आने की आशंका है लेकिन ऐसा लगता है कि वृद्धि और मुद्रास्फीति दोनों मामले में सबसे खराब दौर पीछे छूट गया है। गौरतलब है कि दिसंबर में भी शक्तिकांत दास ने उच्च ब्याज दरों के बने रहने की बात कही थी।दास ने फिक्स्ड इनकम मनी मार्केट एंड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (फिम्मडा) और प्राइमरी डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीडीआईए) की दुबई में वार्षिक बैठक के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के चलते लागू किए गए प्रतिबंधों में राहत और विभिन्न देशों में मुद्रास्फीति कुछ कम होने के साथ केंद्रीय बैंकों ने दर में कम वृद्धि या ठहराव के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। हालांकि महंगाई दर अभी भी अधिक है। शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को अपने लक्ष्य के दायरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोड़ा कि उच्च दरें लंबे समय तक बनी रह सकती हैं। वृद्धि के मोर्चे पर उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले तक व्यापक और गंभीर मंदी की आशंका थी लेकिन अब लग रहा है कि सामान्य मंदी रहेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे अनिश्चित अंतरराष्ट्रीय माहौल में हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और वृहत आर्थिक आर्थिक आंकड़े मजबूत हैं। दास ने कहा हमारी वित्तीय प्रणाली मजबूत और स्थिर बनी हुई है। बैंक और कंपनियां पहले की तुलना में बेहतर है। बैंक ऋण दहाई अंकों में बढ़ रहा है। हमें आमतौर पर एक उदास दुनिया में उम्मीद की किरण के रूप में देखा जाता है। हमारी मुद्रास्फीति उच्च बनी हुई है लेकिन नवंबर और दिसंबर में उल्लेखनीय कमी हुई है।

दवा क्षेत्र के लिए अनुसंधान एवं विकास नीति बनाए भारतः अमेरिकी फार्मा उद्योग

वाशिंगटनः वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आम बजट 2023-24 पेश किए जाने से पहले अमेरिकी फार्मा उद्योग ने कहा है कि भारत को अपने दवा क्षेत्र के लिए एक अनुसंधान एवं विकास नीति लानी चाहिए। सीतारमण एक फरवरी को संसद में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आम बजट पेश करने वाली हैं। अमेरिका-इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स (यूएसएआईसी) के अध्यक्ष करुण ऋषि ने कहा, 'समय आ गया है कि भारत सरकार दवा क्षेत्र के लिए शोध एवं विकास नीति लेकर आए।' बोस्टन स्थित यूएसएआईसी पिछले 16 वर्षों से भारत-अमेरिका स्वास्थ्य देखभाल शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहा है, जिसमें भारत और अमेरिका के फार्मा क्षेत्र के दिग्गज हिस्सा लेते हैं। ऋषि ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'बायोफार्मा क्षेत्र में बजट का उद्देश्य अनुसंधान एवं विकास पर आधारित मूल्य श्रृंखला को आगे बढ़ाना होना चाहिए। सही नीति भारत को दुनिया का अनुसंधान एवं विकास केंद्र बनने के लिए ईंधन प्रदान कर सकती है।' उन्होंने जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को स्थिर करने के लिए बजट में अनुसंधान एवं विकास और विनिर्माण को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए।

अडानी समूह ने कहा- एफपीओ की नहीं घटाई जाएंगी कीमतें

मुंबई । अडानी ग्रुप ने रिसर्च कंपनी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से नहीं डरने का ऐलान कर दिया है। इस कंपनी की समूह के बारे में जारी की गई एक रिपोर्ट ने बीते कुछ दिनों में बड़ा भूचाल लाया है। इसके चलते अडानी एंटरप्राइजेज के फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) को लेकर निवेशकों के बीच आशंकाएं बनी हुई हैं लेकिन अब समूह ने इस एफपीओ को लेकर बड़ी घोषणा की है। अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी की अगुवाई वाले अडानी समूह ने अडानी एंटरप्राइजेज के एफपीओ की निर्धारित कीमतों सेल की तारीखों या इसमें किसी और तरह के बदलाव से इंकार कर दिया। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद अडानी एंटरप्राइजेज समेत समूह की लगभग सभी लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अडानी ग्रुप के प्रवक्ता ने कहा` कि अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड का एफपीओ निर्धारित समय और घोषित मूल्य दायरे के अनुसार चल रहा है। इसके शेयर प्राइस बैंड में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बैंकरों और निवेशकों सहित हमारे सभी स्टेकहोल्डर्स को कंपनी के एफपीओ पर पूरा भरोसा है। हम एफपीओ की सफलता को लेकर बेहद आश्वस्त हैं। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट को अडानी समूह ने दुर्भावनापूर्ण और फर्जी बताया है। कंपनी का कहना है कि ये रिपोर्ट उसके एफपीओ को नाकाम करने के इरादे से लाई गई है।

अप्रैल-दिसंबर में भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बनकर उभरा नीदरलैंड

नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम उत्पादों इलेक्ट्रॉनिक सामान रसायन और एल्युमीनियम सामान की वजह से चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह (अप्रैल-दिसंबर) में नीदरलैंड भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बनकर उभरा है। भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य अमेरिका है। वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) दूसरे नंबर पर है। नीदरलैंड के साथ भारत का व्यापार अधिशेष भी 2017 के 1.5 अरब डॉलर से बढ़कर 2022 में 12.3 अरब डॉलर हो गया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार नीदरलैंड ने भारत के निर्यात बाजार के रूप में ब्रिटेन हांगकांग बांग्लादेश और जर्मनी को पीछे छोड़ दिया है। अप्रैल-दिसंबर 2022 के दौरान नीदरलैंड को भारत का निर्यात लगभग 69 प्रतिशत बढ़कर 13.67 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 8.10 अरब डॉलर रहा था। वित्त वर्ष 2021-22 और 2020-21 में इस यूरोपीय देश को भारत का निर्यात क्रमशः 12.55 अरब डॉलर और 6.5 अरब डॉलर रहा था। नीदरलैंड को भारत का निर्यात 2000-01 से लगातार बढ़ रहा है। उस समय नीदरलैंड को निर्यात 88 करोड़ डॉलर रहा था। नीदरलैंड 2020-21 में भारत का नौवां सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य था। 2021-22 में यह पांचवें स्थान पर आ गया था। निर्यातकों के प्रमुख संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि नीदरलैंड यूरोपीय संघ के साथ बंदरगाह और सड़क रेलवे और जलमार्ग संपर्क के माध्यम से यूरोप के एक केंद्र के रूप में उभरा है। सहाय ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-नवंबर की अवधि में पेट्रोलियम निर्यात इससे पिछले साल की समान अवधि के 2.7 अरब डॉलर से बढ़कर 6.4 अरब डॉलर हो गया है। इसकी वजह यह है कि पेट्रोलियम कंपनियां नीदरलैंड को एक वितरण केंद्र के रूप में इस्तेमाल कर रही हैं।

आम बजट को लेकर सतर्क दृष्टि के चलते एफपीआई ने 17000 करोड़ से ज्यादा निकाले

नई दिल्ली ।

मजबूत वैश्विक संकेतों के बावजूद भारतीय शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह 2 ट्रेडिंग सेशन में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली। शुक्रवार को निफ्टी और सेंसेक्स में 2 फीसदी तक गिरावट दर्ज की गई। फॉर्मा को छोड़कर सभी सेक्टर्स में बिकवाली हावी रही। गिरावट की सबसे बड़ी वजह बजट को लेकर निवेशकों का सतर्क रुख है। यही वजह है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेश्कों (एफपीआई) ने इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजारों से शुद्ध रूप से 17000 करोड़ रुपये से ज्यादा निकाले हैं। वहीं चीनी बाजारों के आकर्षण और आम बजट व अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले एफपीआई ने सतर्कता का रुख अपनाया है। इससे पहले एफपीआई ने दिसंबर में भारतीय शेयरों में 11119 करोड़ रुपये और नवंबर में 36239 करोड़ रुपये डाले थे। कुल मिलाकर एफपीआई ने 2022 में भारतीय शेयर बाजारों से 1.21 लाख करोड़ रुपये निकाले थे। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा एफपीआई सतर्क रुख अपना रहे हैं। वे एक फरवरी को आने वाले आम बजट और फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले सतर्कता का रुख अपना रहे हैं। फेडरल रिजर्व की मौद्रिक समिति की बैठक 31 जनवरी और 1 फरवरी को होगी। श्रीवास्तव ने कहा कि इसके अलावा एफपीआई लॉकडाउन के बाद बाजार फिर से खुलने के बाद से चीन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अपनी जीरो कोविड पॉलिसी के तहत चीन ने सख्त लॉकडाउन लगाया हुआ था। इसके चलते चीन के बाजारों में गिरावट आई है और वे मूल्य के लिहाज से आकर्षक हो गए हैं। वहीं निवेशक यह उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर अपने खर्च को जारी रखेगी और निजी क्षेत्र से अधिक धन आकर्षित करने के नए उपायों का ऐलान करेगी। लेकिन अगर बाजार की उम्मीदें पूरी नहीं होती हैं तो बाजार में गिरावट देखने को मिल सकती है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि जनवरी में एफपीआई की रणनीति भारत में बिकवाली और चीन हांगकांग दक्षिण कोरिया और थाइलैंड जैसे कमोबेश सस्ते बाजारों में लिवाली की। इस महीने एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड प्रतिभूतियों में 3685 करोड़ रुपये का निवेश किया है। भारत के अलावा इंडोनेशिया के बाजार से भी एफपीआई ने निकासी की है। वहीं फिलिपीन दक्षिण कोरिया और थाइलैंड जैसे बाजारों में वे लिवाल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों विशेष रूप से फेडरल रिजर्व द्वारा आक्रामक दरों से ब्याज दरों में वृद्धि कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव जिंसों के ऊंचे दाम और रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से पिछले साल एफपीआई बिकवाल बने रहे। इससे पिछले 3 साल के दौरान एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध लिवाल रहे थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इस महीने (27 जनवरी तक) शेयरों से 17023 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है।

बजट में 8वें वेतन आयोग लाने पर हो सकती है घोषणा

नई दिल्ली । केंद्रीय बजट पेश होने में अब सिर्फ 4 दिन बाकी हैं। सभी सेक्टर के लोगों को बजट से तमाम उम्मीदें हैं। वहीं इस बजट से सरकारी कर्मचारियों को भी काफी उम्मीदें है। सरकारी कर्मचारी लंबे समय से 8वें वेतन आयोग को लाने की मांग कर रहे हैं। माना जा रहा है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करते हुए 8वें वेतन आयोग लाने को लेकर घोषणा कर सकती हैं। अभी देश में 7वां वेतन आयोग चल रहा है। अगर सरकार 8वें वेतन आयोग की घोषणा करती है तो सरकारी सरकारी कर्मचारियों के वेतन में बड़ी बढ़ोतरी हो जाएगी। ऐसा होने पर नीचे के स्तर से लेकर उच्च स्तर के सरकारी अधिकारियों के वेतन में इजाफा हो जाएगा। कर्मचारियों के लिए वेतन आयोग हर 10 साल के बाद लागू किया जाता है। अब तक 5वें 6ठे और 7वें वेतन आयोग को लागू करने में यही पैटर्न नजर आया है। कर्मचारियों ने पहले यह अनुमान लगाया था कि साल 2023 में 8वें वेतन आयोग की स्थापना की जाएगी और इसकी सिफारिशें 2026 में लागू हो सकती है। गौरतलब है कि इस बार संसद का बजट सत्र 31 जनवरी 2023 से शुरू होगा जिस दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। सत्र में 27 बैठकें होंगी और यह 6 अप्रैल तक चलेगा। सत्र का पहला चरण 31 जनवरी से 14 फरवरी तक होगा। करीब एक महीने के अवकाश के बाद बजट सत्र का दूसरा चरण 12 मार्च से शुरू होगा और 6 अप्रैल तक चलेगा।

ग्वालियर ऑटोमोबाइल मेले में 300 करोड़ का कारोबार

ग्वालियर । ग्वालियर मेले में ऑटोमोबाइल सेक्टर में लोगों का खासा रुझान देखने को मिल रहा है। आंकड़ों के मुताबिक अभी तक 300 करोड़ से अधिक का व्यापार ऑटोमोबाइल मेले में हो चुका है। मेला व्यवसायियों का कहना है कि अभी इस मेले को खत्म होने में दिन बाकी हैं यह व्यापार 500 करोड़ से अधिक का भी हो सकता है। ग्वालियर व्यापार मेले में 20 दिनों में लगभग 7 हजार 585 वाहन बिक चुके हैं जो कि एक बड़ा आंकड़ा है। इसके साथ ही इन बिक्री हुए वाहनों में 3 हजार 859 चार पहिया वाहन हैं और 3 हजार 852 बाइक शामिल हैं। ग्वालियर के आरटीओ एचके सिंह ने बताया कि पूरे माह में अभी तक सबसे अधिक 26 जनवरी को बाइक की बिक्री हुई है। 26 जनवरी को ही 305 दो पहिया वाहन और 219 चार पहिया वाहनों की बिक्री हुई है। लोग लग्जरी कारें अधिक पसंद कर रहे हैं। मेले में 60 लाख से लेकर 2 करोड़ तक की भी गाड़ियों की बिक्री की गई है जिनमें मर्सिडीज बीएमडब्ल्यू ऑडी सहित कई अन्य गाड़ियां शामिल हैं।

सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों में से 7 का बाजार पूंजीकरण 2.16 लाख करोड़ रुपए घटा

नई दिल्ली ।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 216092।54 करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज की गई है। सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ है। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1290।87 अंक या 2।12 प्रतिशत नीचे आया। एचडीएफसी बैंक इन्फोसिस आईसीआईसीआई बैंक एचडीएफसी और भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में भी गिरावट आई। दूसरी ओर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का बाजार मूल्यांकन बढ़ गया। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 71003.2 करोड़ रुपए घटकर 1581601.11 करोड़ रुपए रह गया। सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को ही हुआ। एसबीआई की बाजार हैसियत 46318.73 करोड़ रुपए घटकर 482107.53 करोड़ रुपए रह गई है। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 36836.03 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 570509.34 करोड़ रुपए पर आ गया है। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 24899.93 करोड़ रुपए घटकर 901287.61 करोड़ रुपए और भारती एयरटेल का 23747.55 करोड़ रुपए के नुकसान से 431583.22 करोड़ रुपए रह गया।

एचडीएफसी के बाजार मूल्यांकन में 10257.28 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 485809.79 करोड़ रुपए पर आ गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 3029.82 करोड़ रुपए घटकर 638891.87 करोड़ रुपए रह गई। इस रुख के उलट टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 17837.88 करोड़ रुपए बढ़कर 1247882.88 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 14931.65 करोड़ रुपए बढ़कर 613689.74 करोड़ रुपए हो गई। आईटीसी का मूल्यांकन 13591.48 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 429031.46 करोड़ रुपए रहा। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस एचडीएफसी बैंक इन्फोसिस हिंदुस्तान यूनिलीवर आईसीआईसीआई बैंक एचडीएफसी एसबीआई भारती एयरटेल और आईटीसी का स्थान रहा।

स्टार्टअप के लिए सलाहकारों, निवेशकों, उद्यमियों का अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बनाया जाएः गोयल

हैदराबाद, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वैश्विक स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए शनिवार को सलाहकारों, निवेशकों और उद्यमियों का एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बनाने का आह्वान किया। गोयल ने यहां आयोजित जी20 के सहभागिता समूह 'स्टार्टअप20' की एक बैठक को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को स्टार्टअप को समर्थन और प्रेरणा देने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के तहत विचारों के आदान-प्रदान, सर्वोत्तम प्रथाओं और वित्तपोषण तंत्र की सुविधा और अनुसंधान एवं विकास में सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने दुनिया के सभी हिस्सों में स्टार्टअप पारिस्थितिकी को विकसित के लिए सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। गोयल ने कहा कि जी20 शिखर बैठक के मेजबान देश के रूप में भारत को इस बात पर गर्व है कि उसने वैश्विक स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की प्रगति और क्षमता को उजागर किया। उन्होंने कहा कि नवाचार पर भारत के विशेष जोर के तहत पहली बार भारत की जी20 अध्यक्षता में 'स्टार्टअप20' समूह की स्थापना की गई है।

म्यूचुअल फंड में टी प्लस टू सेटेलमेंट लागू होने से खरीदी-बिक्री होगी आसान

नई दिल्ली ।

टी प्लस टू सेटेलमेंट म्यूचुअल फंड भारतीय शेयर बाजार में शेयरों के लेन-देन के लिए टी वन सेटेलमेंट सिस्टम सफलतापूर्वक लागू होने के बाद अब म्यूचुअल फंड्स के लेन-देन में टी प्लस टू सेटेलमेंट सिस्टम आने जा रहा है। इसके बाद म्यूचुअल फंड्स को खरीदना और बेचना पहले के मुकाबले काफी आसान हो जाएगा और निवेशकों पैसे जल्दी मिलेंगे। मौजूदा समय में म्यूचुअल फंड्स मे लेन-देन के लिए टी प्लस थ्री सेटेलमेंट सिस्टम लागू है। इसका मतलब यह है कि अगर कोई निवेशक म्यूचुअल फंड्स के खरीदता है तो उसके यूनिट्स तीन दिन बाद उसके अकाउंट में क्रेडिट होंगे।

वहीं अगर कोई निवेशक अपने म्यूचुअल फंड यूनिट्स की बिक्री करता है तो उसे पैसा तीन दिन बाद मिलेगा।म्यूचुअल फंड्स की इंडस्ट्री बॉडी एम्फी की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि सभी शेयरों में 27 जनवरी से टी प्लस वन सेटेलमेंट सिस्टम लागू हो गया है। इसके लोगों को पहले के मुकाबले फंड जल्दी मिलेगा।

म्यूचुअल फंड निवेशकों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सभी एसेट्स मैनेजमेंट कंपनियों की ओर से ये टी प्लस टू सेटेलमेंट सिस्टम पर जाने का फैसला किया गया है और एक फरवरी 2023 से सभी म्यूचुअल फंड्स का सेटेलमेंट टी प्लस टू के तहत किया जाएगा। एम्फी के चीफ एग्जीक्यूटिव एनएस वेंकटेश की ओर से कहा गया कि एम्फी और उसके सदस्य एएमसी हमेशा निवेशकों के हितों का ध्यान रखते हैं। जैसी ही शेयर बाजार के नियामक सेबी की ओर से शेयरों में चरणबद्ध तरीके से टी प्लस वन सेटेलमेंट सिस्टम लागू किया गया। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने भी अपने निवेशकों को इसका लाभ पहुंचाने की तैयारी शुरू कर दी थी। हमें ये बताते हुए खुशी हो रही है कि एक फरवरी 2023 से म्यूचुअल फंड में टी प्लस टू सेटेलमेंट सिस्टम लागू होने जा रहा है।

एमाजॉन में पार्ट-टाइम जॉब दिलवाने के नाम पर 1.18 लाख की साइबर ठगी

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फाड की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। कई लोगों को वॉट्सऐप मैसेज या एसएमएस भेजकर जाल में फंसाने की कोशिश की जाती है। अभी वर्क फ्रॉम होम या पार्ट टाइम जॉब के नाम पर भी लोगों को साइबर फ्रॉड का शिकार बनाया जा रहा है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने इंटरनेशनल साइबर क्रिमिनल्स का पर्दाफाश किया है। रिपोर्ट के अनुसार इस गैंग ने लगभग 11 हजार लोगों को अपना शिकार बनाया। इन लोगों के साथ वर्क फ्रॉम होम के नाम पर ठगी की गई। साइबर क्रिमिनल्स का ये गैंग चीन और दूसरी जगहों से ऑपरेट होता था। दिल्ली पुलिस ने इस साइबर फ्रॉड से जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मीडिया की रिपोर्ट में बताया गया है कि चीनी साइबर क्रिमिनल्स उन लोगों की तलाश करते थे जो ऑनलाइन वर्क या पार्ट टाइम जॉब खोजते थे। इसका एक महिला भी शिकार हो गई। महिला से पार्ट टाइम जॉब के नाम पर 1.18 लाख की ठगी की गई जिसके बाद उसने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत में उसने बताया कि स्कैमर्स ने एमाजॉन में ऑनलाइन पार्ट टाइम जॉब देने के नाम पर उनके साथ ठगी की। इसके लिए स्कैमर्स टेलीग्राम आईडी का इस्तेमाल करते थे और इसको बीजिंग चीन से ऑपरेट किया जाता था। साइबर ठगी में जिस वॉट्सऐप नंबर का इस्तेमाल किया गया उसको लेकर भी कहा गया उसे भारत के बाहर से ऑपरेट किया जा रहा था। पुलिस जांच में पता चला कि टोटल 5.17 करोड़ रुपए सिंगल दिन में क्रेडिट हुए थे। इसको बाद में विदेशी खातों में क्रिप्टो करेंसी के जरिए ट्रांसफर किए गए।

आपको बता दें कि ऐसे स्कैम से आपको सावधान रहने की जरूरत है। अनजान नंबर से मिलने वाले मैसेज या वॉट्सऐप पर भरोसा ना करें। बड़ी कंपनियां जॉब के बारे में अपने पोर्टल से भी बताती है। इस वजह से कंपनी से किसी जॉब के बारे में जरूर वेरिफाई कर लें। सबसे जरूरी बात कभी जॉब के नाम पर किसी को पैसे ना दें।

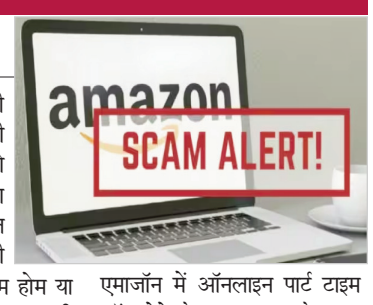

दुनिया का सबसे छोटा चार्जर करेगा बडे काम

ईयरबड्स से लेकर लैपटॉप तक सबकुछ चार्ज करेगा

नई दिल्ली ।

सिडनी बेस्ड कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड चार्जेजैप ने एक ऐसा चार्जर तैयार किया है जो ईयरबड्स से लेकर लैपटॉप तक सबकुछ चार्ज करेगा। कंपनी ने इसे झियस नाम दिया है। ये एक 270 डब्ल्यू जीएएन चार्जर है जो च्यूइंग गम बॉक्स के साइज का है और आपके गैजेट के पूरे स्टॉक - लैपटॉप टैबलेट स्मार्टफोन और वियरेबल - को एक साथ जल्दी चार्ज करने में सक्षम है। जबकि उत्पाद को किक स्टार्टर के माध्यम से लॉन्च किया गया था कैंपेन तब से इंडीगोगो में स्थानांतरित हो गया है जहां अब तक 60 लाख रुपये से अधिक जुटाने में कामयाब रहा है। इसके पीछे कंपनी - चार्जेजैप - सिडनी स्थित एक उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड है जो कहता है कि चार्जर वर्किंग ऑन दे गो कल्चर को पूरा करता है।

कंपनी ने कहा कि लोगों द्वारा डेली बेसिस पर यूज किए जाने वाले गैजेट्स की संख्या में लगातार वृद्धि के साथ बिजली की आवश्यकताओं में वृद्धि हुई है और इसलिए चार्जर्स की आवश्यकता भी बढ़ी है। एक से अधिक चार्जर के साथ यात्रा करने से बैटरी की बहुत सारी समस्याएं ठीक हो सकती हैं लेकिन यदि सॉकेट की संख्या सीमित है तो यह असुविधाजनक हो सकता है। इन पोर्ट में एक 140 डब्ल्यू यूएसबी-सी पावर डिलीवरी 3.0 पीपीएस पोर्ट दो 100डब्ल्यू यूएसबी-सी पावर डिलीवरी 3.0 पीपीएस पोर्ट और एक 22.5 डब्ल्यू यूएसबी-ए पोर्ट शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि ये एक साथ 3 लैपटॉप को पावर दे सकते हैं।

अन्य फीचर्स में 2-वे फोल्डेबल यूएस प्रोंग शामिल हैं जिन्हें 90 डिग्री या 180 डिग्री एंगल पर एडजस्ट किया जा सकता है जिससे चार्जर अधिक फ्लेसिबल हो जाता है और रियल-टाइम चार्जिंग वोल्ट और एएमपीएस जानकारी के लिए 0.96 ओएलईडी डिस्प्ले होता है। झियस का लक्ष्य उस समस्या को हल करना है जो चार यूएसबी पोर्ट्स को अपनी कॉम्पैक्ट बॉडी में पैक करता है। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया का सबसे छोटा है और इसका वजन भी केवल 320 ग्राम पर इंडस्टी लीडर्स की तुलना में हल्का है।

2023 में भारतीय बाजार में शतक लगाना चाहती है इटली की कार कंपनी लैम्बॉर्गिनी

नई दिल्ली ।

इटली की कार कंपनी ऑटोमोबिली लैम्बॉर्गिनी ने इस साल भारतीय बाजार में बिक्री का 'शतक बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। कंपनी के भारत में प्रमुख शरद अग्रवाल ने यह बात कही है। पिछले साल यानी 2022 में कंपनी ने भारतीय बाजार में अपनी रिकॉर्ड बिक्री की है। कंपनी भारतीय बाजार में सुपर लक्जरी कारों की श्रृंखला की बिक्री करती है। इन कारों के दाम 3.8 करोड़ रुपए से शुरू होता है। कंपनी इस साल भारतीय बाजार में पहली हाइब्रिड कार भी ला रही है।

लैम्बॉर्गिनी ने भारत में 2022 में 92 इकाइयों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की है जो इससे पिछले साल की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने 2021 में भारतीय बाजार में 69 सुपर लक्जरी कारें बेची थीं। इससे पहले 2019 में कंपनी ने 52 इकाइयों की बिक्री का अपना सबसे ऊंचा स्तर हासिल किया था। अग्रवाल ने कहा हां यह हमारी दिशा है। यह सवाल पिछले काफी समय से आ रहा है। हम भारतीय बाजार में 100 का आंकड़ा पाने का प्रयास कर रहे हैं। संभवतः 2023 में हम यह हासिल कर लेंगे।

उनसे पूछा गया था कि क्या कंपनी भारतीय बाजार में 2023 में 100 इकाइयों की बिक्री का आंकड़ा हासिल कर लेगी। पिछले साल कंपनी आठ इकाइयों की कमी से यह उपलब्धि हासिल करने से चूक गई थी। अग्रवाल ने कहा भारत में हमें अपने कारोबार में किसी तरह की सुस्ती नहीं दिख रही है। वास्तव में इस साल की शुरुआत में हमारी ऑर्डर बुक काफी मजबूत है।

देश में हमारे सभी मॉडलों के लिए प्रतीक्षा अवधि करीब डेढ़ साल की है।

भारत ने पहली बार में ही जीता अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप, इंगलैंड को फाइनल में हराया

पोचेफस्ट्रूम (एजेंसी)। भारतीय महिलाओं ने पहली बार हो रहे आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप 2023 को जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया का मुकाबला इंगलैंड के खिलाफ था लेकिन इंगलैंड पहले खेलते हुए महज 68 रन पर ऑलआऊट हो गई। जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम ने सौम्या तिवारी की उम्दा पारी की बदौलत आसानी से जीत हासिल कर ली।

पहले खेलने उतरी इंगलैंड की शुरूआत ही खराब रही थी। वेस्ट बंगाल की तितास साधु ने शुरूआती ओवरों में ही लिबर्टी हीप की विकेट ले ली थी। स्कोर अभी 15 तक पहुंचा था कि अर्चना देवी ने फियोना हौलेंड को बोल्ड कर दिया। मध्यक्रम में मैकडोनाल्ड गे ने 24 गेंदों में 19 तो एलेक्सा स्टोनहाऊस ने 25 गेंदों में 11 रन बनाए। अंत के ओवरों में सोफिया ने 11 रन बनाए लेकिन स्कोर 68 से आगे बढ़ नहीं पाया।

भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा। तितास साधु ने जहां 4 ओवर में महज 6 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं, अर्चना देवी ने 17 रन देकर दो, पर्शवी चोपड़ा ने 13 रन देकर 2, मन्नत कश्यप ने 13 रन देकर एक, शैफाली वर्मा ने 16 रन देकर 1 तो सोनम यादव ने 3 रन देकर एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया की शुरूआत भी खराब रही। शैफाली वर्मा 15 तो श्वेता सहरावत 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। लेकिन सौम्या तिवारी और त्रिशा ने एक छोर संभालकर स्कोर आगे बढ़ाना जारी रखा और भारत को जीत दिला दी।

आन से यंग ने कैरोलीना मरीन को हराकर जीता इंडोनेशिया ओपन 2023 का खिताब

जकार्ता (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की आन से यंग ने इंडोनेशिया ओपन 2023 के फाइनल में स्पेन की कैरोलीना मरीन को हराकर लगातार दूसरा टूर्नामेंट जीत लिया। से यंग ने एक घंटे 20 मिनट चले महिला एक मुकाबले का पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी की और मरीन को 18-21, 21-18, 21-13 से मात दी।

पहला गेम गंवाने के बाद सेयंग ने दूसरे गेम में मरीन को कड़ी टक्कर देते हुए 7-6 से पिछड़ने के बाद वापसी की। कोरियाई शटलर ने 19-17 की बढ़त लेने के बाद मरीन को एक पॉइंट स्कोर करने का मौका दिया, हालांकि इसके बाद से यंग ने दो पॉइंट स्कोर करते हुए मैच को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया।

आखिरी गेम में मरीन अपनी कोरियाई प्रतिद्वंदी की फुरती के साथ समन्वय नहीं बैठा सकीं और आठ पॉइंट के अंतर से गेम व मैच हार गयीं। शानदार फॉर्म से गुजर रही से यंग का यह इस साल दूसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने इंडिया ओपन में जापान की अकाने यामागूची को हराकर महिला एकल का स्वर्ण जीता था। से यंग साल के पहले आयोजन मलेशिया ओपन 2023 में भी दूसरे स्थान पर रही थीं।

भारत दौरे में आक्रामक रणनीति अपनाएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम : हेड

मेलबन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने कहा है कि उनकी टीम भारत के खिलाफ अगले माह होने वाली चार टेस्ट मैचों की सीरीज में आक्रामक रुख अपनाएगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले माह नौ फरवरी से बॉर्डर-गावस्कर सीरीज खेली जाएगी। हेड ने कहा 'इंग्लैंड ने पिछले दिनों पाकिस्तान में जिस तरह से आक्रामक होकर बल्लेबाजी की उसे देखने के बाद मुझे लगा कि उपमहाद्वीप में खेली गई पिछली सीरीज में मैंने उतना आक्रामक होकर बल्लेबाजी नहीं की जितनी मैं चाहता था। उन्होंने कहा 'मैं इन श्रृंखलाओं में स्पिन के खिलाफ जिस तरह से खेला उससे मेरा मानना है कि अगर मैं अधिक आक्राम होकर खेलूंगा तो मेरा फुटवर्क अच्छा रहेगा और मेरा रक्षात्मक खेल भी बेहतर होगा। यह नीति ऑस्ट्रेलिया में खेलने से पूरी तरह अलग होगी।

हेड ने कहा 'हमने इन गर्मियों में तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी इस रणनीति को आजमाया है। मुझे लगता है कि मेरा 'फ्रंट फुट डिफेंस अच्छा है और मेरा मानना है कि मुझे वहां रक्षात्मक नहीं बल्कि सकारात्मक मानसिकता के साथ जाना होगा। गौरतलब है कि हेड ने एशिया में पिछली तीन श्रृंखलाओं में साल 2018 और 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ तथा पिछले साल श्रीलंका में खेला था। वह इन श्रृंखलाओं की 11 पारियों में 21.30 की औसत से केवल 213 रन ही बना पाये थे।

हेड ने कहा 'मुझे लगता है कि पाकिस्तान और श्रीलंका में मैंने थोड़ा रक्षात्मक रवैया अपनाया था। वहां जाकर पिच का आंकलन करना और अपनी भूमिका समझना महत्वपूर्ण है। वहां मैच कम स्कोर या बड़े स्कोर वाला हो सकता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज तक फिट हो सकते हैं बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अगले माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। बुमराह अभी चोट से उबर रहे हैं और माना जा रहा है कि वह एकदिवसीय सीरीज शुरु होने से पहले पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे। बुमराह को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के शुरुआती दो मैचों में भी शामिल नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि वह आखिरी के दो मैच भी नहीं खेल पायेंगे ।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 17 मार्च से तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेली जाएगी। बुमराह इसी सीरीज से टीम में वापसी कर सकते हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा जहां तक बुमराह की बात है तो उन्हें ठीक होने में करीब एक महीना और लगेगा। हमें उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से पहले वह पूरी तरह से फिट हो जाएंगे पर यह उसकी प्रगति पर निर्भर करेगा। अभी वह फिट नहीं है।

गौरतलब है कि बुमराह को जुलाई 2022 में इंग्लैंड दौरे के बाद कमर के स्ट्रेस फ्रेक्चर का सामना करना पड़ा था। इस चोट के चलते ही वह पिछले साल एशिया कप और टी20 विश्व कप से भी बाहर थे। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज होने के कारण उनकी जगह भरना भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहता।

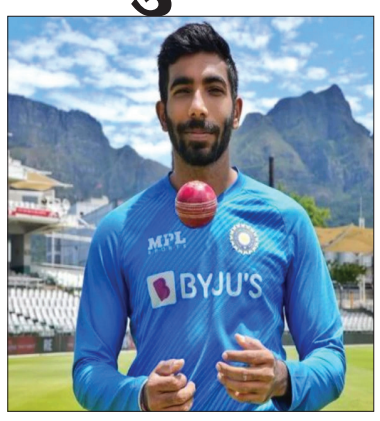

भारत दौरे में ग्रीन फिट नहीं हुए हैंड्सकोंब को उतारेगी ऑस्ट्रेलिया : मैकडोनल्ड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम में पीटर हैंड्सकोंब को कैमरन ग्रीन के विकल्प के तौर पर शामिल किये जाने की संभावनाएं हैं। टीम के मुख्य कोच और चयनकर्ता एंड्रयू मैकडोनल्ड ने कहा है कि अगले माह भारतीय टीम के खिलाफ शुरू हो रही सीरीज के लिए हैंड्सकोंब को शामिल किया जा सकता है। साथ ही कहा कि ग्रीन अगर सीरीज के लिए समय पर फिट नहीं होते हैं तो हैंड्सकोंब की स्पिन खेलने की क्षमताओं को देखते हुए मध्यक्रम में उन्हें मैदान पर उतारा जा सकता है। ग्रीन अभी तक ऊंगली में फ्रेक्चर से उबर नहीं पाये हैं।

मैकडोनल्ड ने कहा 'वह वास्तव में काफी अहम खिलाडी है। पिछले कुछ समय में यह साबित हुआ है कि वह स्पिन को बेहतर ढंग से खेलता है। हैंड्सकोंब और ग्रीन अभी चार टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले नॉर्थ सिडनी में बोन एंड्रयूज ओवल में स्पिन खेलने के लिए बनाई गई पिच पर ही बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे हैं जिससे भारतीय हालातों से बेहतर तालमेल बिठा सकें। इस सीरीज से विश्व टेस्ट चैंम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफिकेशन भी तय होगा।

हैंड्सकोंब साल 2017 में भारत के पिछले दौरे पर भी टीम के साथ बने हुए थे साथ ही वह टीम में विकेटकीपर का एक अतिरिक्त विकल्प भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने कहा 'वह धीमी पिचों पर शील्ड क्रिकेट में काफी रन जुटा चुका है। वह विकेटकीपिंग भी कर लेता है इसलिये इससे हमें जोश इंग्लिस के नहीं होने पर हर विकल्प मिलता है और अगर एलेक्स कैरी को कुछ भी होता है तो भी हमारे पास विकल्प रहेगा।

जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर नडाल की बराबरी की

मेलबर्न (ईएमएस)। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन का पुरुष एकल खिताब जीत लिया है। जोकोविच ने फाइनल में यूनान के स्टेफानोस सिटसिपास को अपना 22वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता है। तीन घंटे से ज्यादा समय तक चले पुरुष एकल मुकाबले में जोकोविच ने हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद भी सिटसिपास को 6-3 7-6(4) 7-6(5) से हराकर दसवीं बार यह खिताब जीता है। वहीं विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने के लिए यूनानी खिलाड़ी सिटसिपास ने पहला सेट हारने के बाद बेहतर प्रदर्शन किया पर वह अहम अवसर पर जोकोविच की बराबरी नहीं कर पाये। अंतिम सेट के निर्णायक गेम में जोकोविच के 6-3 पर तीन चैंपियनशिप अंक हासिल करने के बाद सिटसिपास ने दो अंक अपने पक्ष में किए पर उनका आखिरी शॉट कोर्ट से बाहर गिरने से जोकोविच को खिताब मिल गया। इस प्रकार जोकोविच ने सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने के मामले में स्पेन के राफेल नडाल की बराबरी की है। जोकोविच के भी अब नडाल के बराबर 22 खिताब हो गये हैं।

ऋषभ का कोई विकल्प नहीं हो सकता : इयान चैपल

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर रहे इयान चैपल ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के लिए आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की कमी को पूरा करना कठिन होगा। चैपल के अनुसार ऋषभ की जगह कोई नहीं ले सकता है। भारतीय टीम को अगले माह की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। इसके परिणाम पर ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की भारत की संभावनाएं आधारित रहेंगी। वहीं ऋषभ कार हादसे के कारण करीब छह माह के लिए बाहर हो गये हैं। ऐसे में उनकी जगह इस सीरीज के लिए भारतीय टीम विकल्प तलाश रही है। माना जा रहा है कि इशान किशन और केएस भरत में से किसी एक को ऋषभ की जगह पर बैकअप के तौर पर शामिल किया जा सकता है

ऋषभ टेस्ट क्रिकेट में भारत की सफलता के लिए अहम रहे हैं। वह मध्य क्रम में स्पिनरों पर आक्रामक प्रहार के लिए जाने जाते हैं। इसी को देखते हुए बाएं हाथ के बल्लेबाज ईशान किशन को उनका बेहतर विकल्प माना जा रहा है।चैपल ने कहा कि यह देखना होगा कि भारतीय टीम इस आक्रामक बल्लेबाज के बिना तेजी से रन बना पाती है या नहीं।

उन्होंने कहा भारत के पास साबित करने के लिए कुछ चीजें भी हैं ऋषभ की कमी वह किससे पूरी किससे करवाते हैं यह भी देखना होगा। भारत इस आक्रामक विकेटकीपर के बिना तेज रन रेट बनाना खो सकता है। इस मामले में कोई भी इस बल्लेबाज की कमी पूरी नहीं कर सकता है। इसलिए भारतीय टीम के शीर्ष बल्लेबाजों से अच्छी स्ट्राइक रेट भी बनाए रखनी होगी।

साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के नाथन लियोन की अगुवाई वाला स्पिन आक्रमण भी भारतीय बल्लेबाजी इकाई पर अंकुश लगाना चाहेगा। ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली सहित भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज के लिए जरुरी होगा कि वह लियोन के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए उन्हें हावी होने का अवसर न दें।

शाकिब का दोहरा शतक आया काम, बिहार ने जीता रणजी प्लेट ग्रुप फाइनल

पटना (एजेंसी)। शाकिब उल गनी (205) के दोहरे शतक की बदौलत बिहार ने रणजी ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप फाइनल में मणिपुर को 220 रन से रौंदकर खिताब अपने नाम कर लिया। मोइनुल हक़ स्टेडियम पर बिहार ने मणिपुर के सामने 549 रन का विशाल लक्ष्य रखा। इसके जवाब में मणिपुर पांचवें दिन 324 रन पर ऑलआउट हो गयी। मणिपुर के कप्तान एल किशंगबम ने 206 गेंद पर 14 चौकों के साथ 117 रन की शतकीय पारी खेली। इसके अलावा 110 गेंद पर छह चौकों और तीन छक्कों के साथ 79 रन बनाये, हालांकि मणिपुर को कोई और बल्लेबाज विकेट पर समय नहीं बिता सका। बिहार की ओर से नवाज़ ने 95 रन देकर पांच विकेट लिये। शाकिब को पहली पारी में उनके दोहरे शतक के लिये मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। बिहार और मणिपुर प्लेट ग्रुप की फाइनलिस्ट होने के नाते रणजी ट्रॉफी के अगले सत्र में एलीट डिवीजन में हिस्सा लेंगी।

चेक गणराज्य की जोड़ी ने जीता आस्ट्रेलियाई ओपन का महिला युगल खिताब

मेलबर्न। चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा और बारबोरा क्रेजिसकोवा ने रविवार को यहां जापान की शुको आओयामा और एना शिबहारा को 6-4, 6-3 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला युगल का खिताब जीता। चेक गणराज्य की जोड़ी ने इस जीत से ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंटों में अपना विजय अभियान 24 मैच तक पहुंचा दिया है। यह उनका सातवां ग्रैंडस्लैम युगल खिताब है। उन्होंने दोनों सेट के शुरुआती गेम में जापानी जोड़ी की सर्विस तोड़ी। चेक गणराज्य की जोड़ी ने पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन में महिला युगल का खिताब जीता था। सिनियाकोवा ने खिताबी जीत के बाद कहा,'' मेरी जोड़ीदार बारबोरा का बहुत-बहुत आभार। मुझे बहुत खुशी है कि हम फिर से खिताब जीतने में सफल रहे। यह सफर शानदार रहा है।' आओयामा और शिबहारा की जोड़ी 10वीं बार फाइनल में खेल रही थी लेकिन किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में यह उनका पहला फाइनल था। शिबहारा ने कहा,''यह बेहद करीबी मुकाबला था लेकिन निश्चित तौर पर हमारी विरोधी टीम ने अच्छा खेल दिखाया। यह अलग तरह का अनुभव था। मुझे लगता है कि अगली बार हम इससे बेहतर प्रदर्शन करेंगे।'

हॉकी विश्व कप: क्लासिफिकेशन मुकाबले को जीतकर नौवें स्थान पर रही भारतीय टीम

राउरकेला (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप में नौवें स्थान पर रही है। भारतीय टीम ने क्लासिफिकेशन मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 5-2 से हराया। भारत की ओर से अभिषेक ने चौथे मिनट हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट शमशेर सिंह ने 44वें मिनट आकाशदीप सिंह ने 48वें मिनट और सुखजीत सिंह ने 58वें मिनट में गोल दागे। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की ओर से सैमकेलो विम्बी ने 48 वें और मुस्तफा कासिम ने 60 वें मिनट में गोल किये। भारतीय टीम घरेलू धरती पर हुए टूर्नामेंट में अर्जेंटीना के साथ संयुक्त रुप से नौवे स्थान पर रही। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने वेल्स के साथ संयुक्त 11वां स्थान हासिल किया। भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपना कर दक्षिण अफ्रीकी टीम पर दबाव बना दिया। खेल के चौथे मिनट में ही अभिषेक ने एक गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। इस क्वार्टर में भारतीय टीम पूरी तरह से हावी रही और उस 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। हरमनप्रीत ने इस कॉर्नर को गोल में बदल कर भारतीय की बढ़त 2-0 कर दी। बढ़त लेने के बाद भारत ने दूसरे क्वार्टर में तेजी से खेलते हुए तीन पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए हालांकि वह इनका लाभ नहीं उठा पायी। हाफ टाइम के बाद दक्षिण अफ्रीका ने बेहतर खेल दिखाते हुए पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका ने इसी मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर हासल किया पर वह गोल नहीं कर पायी। इसके बाद भारतीय रक्षापंक्ति ने एक और प्रयास विफल कर दिया।

क्वार्टर खत्म होने से ठीक पहले शमशेर ने भारत की ओर से तीसरा गोल दाग दिया।मैच के अंतिम 12 मिनटों में आकाशदीप और सुखजीत ने दो गोल कर भारतीय को अजेय बढ़त दिला दी। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने गोल के कई प्रयास किये पर वह सफल नहीं हो पायी।

कासिमिरो ने दिलाई मैनचेस्टर यूनाइटेड को एफए कप में जीत

मैनचेस्टर। ब्राजील के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कासिमिरो के दो गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट में रीडिंग को 3-1 से हराया। कासिमिरो ने दूसरे हाफ में चार मिनट के अंदर दो गोल दागे जिससे यूनाइटेड पांचवें दौर में जगह बनाने में सफल रहा। यूनाइटेड ने इससे पहले बुधवार को लीग कप के सेमीफाइनल के पहले चरण में नॉटिंघम फॉरेस्ट को 3-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए थे। एफए कप में लीड्स, लीसेस्टर और साउथम्पटन भी आगे बढ़ने में सफल रहे। लीड्स ने एकरिंगटन स्टेनली को 3-1 से, लीसेस्टर ने वाल्सॉल को 1-0 से और साउथम्पटन ने ब्लैकपूल को 2-1 से हराया।

पेड्री के गोल से जीता बार्सिलोना, रियाल मैड्रिड पर बनाई छह अंक की बढ़त

बार्सिलोना। मिडफील्डर पेड्री के गोल की मदद से बार्सिलोना ने शनिवार को यहां गिरोना पर 1-0 से जीत दर्ज करके स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अपने करीबी प्रतिद्वंदी रियाल मैड्रिड पर छह अंक की बढ़त बना दी है। बार्सिलोना की तरफ से अपना 100वां मैच खेल रहे पेड्री ने 61वें मिनट में महत्वपूर्ण गोल किया। इस जीत से बार्सिलोना के 18 मैचों में 47 अंक हो गए हैं जबकि दूसरे स्थान पर काबिज रियाल मैड्रिड के 17 मैचों में 41 अंक है। पेड्री अभी केवल 20 साल के हैं और उन्होंने स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतर कर गोल दागा।

टी20 में अब तक सफलता हासिल नहीं कर पाये हैं शुभमन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने अब तक टेस्ट और एकदिवसीय में शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है। शुभमन ने हाल में जिस प्रकार एकदिवसीय क्रिकेट शतक ओर दोहरे शतक लगाये हैं उससे टीम में उनकी जगह भी पक्की हो गयी है पर वह अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। शुभमन ने बेहद कम समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है उससे वह भारतीय टीम का भविष्य बताये गये हैं पर टेस्ट और एकदिवसीय में आसानी से रन निकालने वाला यह बल्लेबाज अब तक टी20 में संघर्ष करता नजर आया है। इसका अंदाजा इसी बात से लगता है कि इस बल्लेबाज को भारतीय टीम की ओर से अब तक कुल चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में ही अवसर मिला है। इसमें उन्होंने चार पारियों में 16.25 की औसत से केवल 65 रन ही बनाये हैं। टी20 प्रारूप में उनका सबसे अधिक स्कोर 46 रन है।

वहीं इस बल्लेबाज ने 13 टेस्ट मैच की 25 पारियों में 32.0 की औसत से 736 रन बनाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम एक शतक और चार अर्द्धशतक हैं जबकि एकदिवसीय प्रारूप में उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सबका दिल जीता है। इस बल्लेबाज ने एकदिवसीय प्रारुप में भारतीय टीम की ओर से अबतक चार शतक एक दोहरा शतक और पांच अर्द्धशतक लगाये हैं। इस प्रकार उन्होंने कुल 21 मुकाबले खेलते हुए 21 पारियों में 73.76 की औसत से 1254 रन बनाये हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष के आध्यात्मिक रहस्य

हर धर्म में पेड़, पौधे और वृक्षों का बहुत महत्व है, परंतु इसको कोई महत्व नहीं देता है। जिस देजी से वृक्ष कटते जा रहे हैं उससे धरती का पर्यावरण ही नहीं बदल रहा है बल्कि जीवन में संकट में हो चला है। धरती पर ऑक्सीजन का निर्माण करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वृक्ष नहीं होंगे तो एक दिन वायु भी नहीं होगी और वायु नहीं होगी तो फिर मानव भी नहीं होगा। आओ जानते हैं वृक्ष के 20 रहस्य।

- शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, दस इमली, तीन कैथ, तीन बेल, तीन आंवला और पांच आम के वृक्ष लगाता है, वह पुण्यात्मा होता है और कभी नरक के दर्शन नहीं करता। इसी तरह धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष सहित प्रकृति के सभी तत्वों के महत्व की विवेचना की गई है।
- भारतीय धर्म मानता हैं कि प्रकृति ही ईश्वर की पहली प्रतिनिधि है। प्रकृति के सारे तत्व ईश्वर के होने की सूचना देते हैं। इसीलिए प्रकृति को देवता, भगवान और पितृ माना गया है। यहां प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है। यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं। धर्म मानता है कि दूरस्थ स्थिति ध्रुव तारा भी हमारे जीवन को संचालित कर रहा है। फिर हिमालय के ग्लेशियर और चंद्रमा के तो कहने ही क्या। संपूर्ण ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। एक कड़ी टूटी तो सबकुछ बिखर जाएगा। यह ब्रह्मांड उल्टे वृक्ष की भांति है।
- धर्मानुसार पांच तरह के यज्ञ होते हैं जिनमें से दो यज्ञ– देवयज्ञ और वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति को समर्पित है। दोनों ही तरह के यज्ञों का वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व है। देवयज्ञ से जलवायु और पर्यावरण में सुधार होता है तो वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति और प्राणियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का तरीका है। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्त्तव्य समझना उन्हें अन्न–जल देना ही भूतयज्ञ या वैश्वदेव यज्ञ कहलाता है।
- हिन्दू धर्मानुसार वृक्ष में भी आत्मा होती है। वृक्ष संवेदनशील होते हैं और उनके शक्तिशाली भावों के माध्यम से आपका जीवन बदल सकता है। प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना की पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में कुछ खास और अलग है। इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है। यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।
- स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन–नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।
- अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण पीपल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। पीपल के वृक्ष में जड़ से लेकर पत्तियों तक तैंतीस कोटि देवताओं का वास होता है और इसलिए पीपल का वृक्ष प्रात: पूजनीय माना गया है। उक्त वृक्ष में जल अर्पण करने से रोग और शोक मिट जाते हैं। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'हे पार्थ वृक्षों में मैं पीपल हूं।' अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु :ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन–पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है। सड़क के किनारे पीपल का वृक्ष लगाने, तथा उसका पालन करने वाला देवलोक प्राप्त करता है। पीपल के वृक्षों का रोपण करने वाला इस लोक में तो कीर्ति प्राप्त करता है, मृत्युपरांत भी मोक्ष को प्राप्त होता है। इसमें संदेह नहीं है।
- बरगद को वटवृक्ष कहा जाता है। हिंदू धर्म में वट सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट को ही समर्पित है। हिंदू धर्मानुसार चार वटवृक्षों का महत्व अधिक है। अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्धवट के बारे में कहा जाता है कि इनकी प्राचीनता के बारे में कोई नहीं जानता। संसार में उक्त चार वटों को पवित्र वट की श्रेणी में रखा गया है। प्रयाग में अक्षयवट, नासिक में पंचवट, वृंदावन में वंशीवट, गया में गयावट और उज्जैन में पवित्र सिद्धवट है।
- **आम है खास** : हिंदू धर्म में जब भी कोई माँगलिक कार्य होते हैं तो घर या पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। 5 या अधिक आम के वृक्षों का रोपण पालन करने वाला अनेक दुर्लभ यज्ञों के फल को प्राप्त कर सकता है।
- **भविष्यवक्ता शमी** : विक्रमादित्य के समय में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वराहमिहिर ने अपने बृहतसंहिता' नामक ग्रंथ के 'कुसुमलता' नाम के अध्याय में वनस्पति शास्त्र और कृषि उपज के संदर्भ में जो जानकारी प्रदान की है उसमें शमीवृक्ष अर्थात खिजड़े का उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर के अनुसार जिस साल शमीवृक्ष ज्यादा फूलता–फलता है उस साल सूखे की स्थिति का निर्माण होता है। विजयादशमी के दिन इसकी पूजा करने का एक तात्पर्य यह भी है कि यह वृक्ष आने वाली कृषि विपत्ती का पहले से संकेत दे देता है जिससे किसान पहले से भी ज्यादा पुरुषार्थ करके आनेवाली विपत्ती से निजात पा सकता है।
- जो मनुष्य अपने घर में फलदार पेड़, पौधे आदि लगाता है और उसकी भली भांति देखभाल करता है, उसे आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- जो मनुष्य 5 वट वृक्षों का रोपण और उसका पालन किसी चौराहे या मार्ग में करता है तो, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती है। जो मनुष्य नीम के वृक्ष जितने अधिक लगाता है उतनी अधिक उसकी पीढ़ियां तर जाती है.
- वृक्षों के बाग या वाटिका लगाने वाला प्रसिद्धि प्राप्त करता है।
- जो भी व्यक्ति बिल्व वृक्ष का रोपण शिव मंदिर में करता है वह अकाल मृत्यु से मुक्त हो जाता है।
- घर में तुलसी, आंवला, निर्गुण्डी, अशोक, आदि के वृक्ष शुभ फलदायी होते हैं। शीशम के 11 वृक्ष को सड़क पर लगाने से यह लोक और परलोक दोनों ही संवर जाते हैं।
- कनक चम्पा के 2 वृक्ष लगाने वाले का सर्वार्थ कल्याण हो जाता है।
- 5 या अधिक महुआ के वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला धन प्राप्त करता है। तथा उसे अनुरूप यज्ञों का फल भी प्राप्त होने लगता है।
- जो भी मनुष्य सड़क के किनारे 2 या 2 से अधिक मौलश्री के वृक्षों का रोपण एवं पालन करता है। वह एक सौ यज्ञों को करने का पुण्य प्राप्त करता है।
- जो भी मनुष्य 5 या अधिक अशोक वृक्ष का रोपण और पालन करता है, उसके घर परिवार में कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती है। उसके यहां अचानक कोई बड़ी मुसीबत खड़ी नहीं होती तथा उसे आगामी जन्म में पुण्यात्मा होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।
- जो मनुष्य 5 पलास के वृक्षों का रोपण और पालन करते हैं। उसे 10 गौवों के दान के समतुल्य पुण्य लाभ मिलता है। पलास के वृक्षों को सड़क के किनारे अथवा किसी बड़े क्षेत्र में रोपना चाहिए। इसका रोपण घर में नहीं करना चाहिए।
- जो भी मनुष्य 2 या अधिक हारसिंगार (पारिजात) के पौधों का रोपण श्री हनुमानजी के मंदिर में अथवा नदी के किनारे या किसी भी सामाजिक स्थल पर करता है तो उसे एक लक्ष्य तोला स्वर्णदान के समतुल्य पुण्य प्राप्त होता है तथा उसे जीवन भर श्री हनुमानजी की कृपा मिलती रहती है।
- जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन, प्रदोष वाले दिन, शिवरात्री को, श्रावणमास में किसी भी दिन अथवा शिवयोग वाले दिन 5 या अधिक बिल्व वृक्षों का रोपण और उसका नियमित पालन भी करता है तो उसे शिवलोक प्राप्त होता है। यदि इन वृक्षों को कोई भी मनुष्य शिव मंदिर में या मंदिर के समीप रोपण करता है तो निश्चय ही वह कोटि कोटि पुण्य का भागीदार तो होता ही है और उसे व उसके परिवार पर भगवान शिव की असीम अनुकम्पा भी प्राप्त होती है।

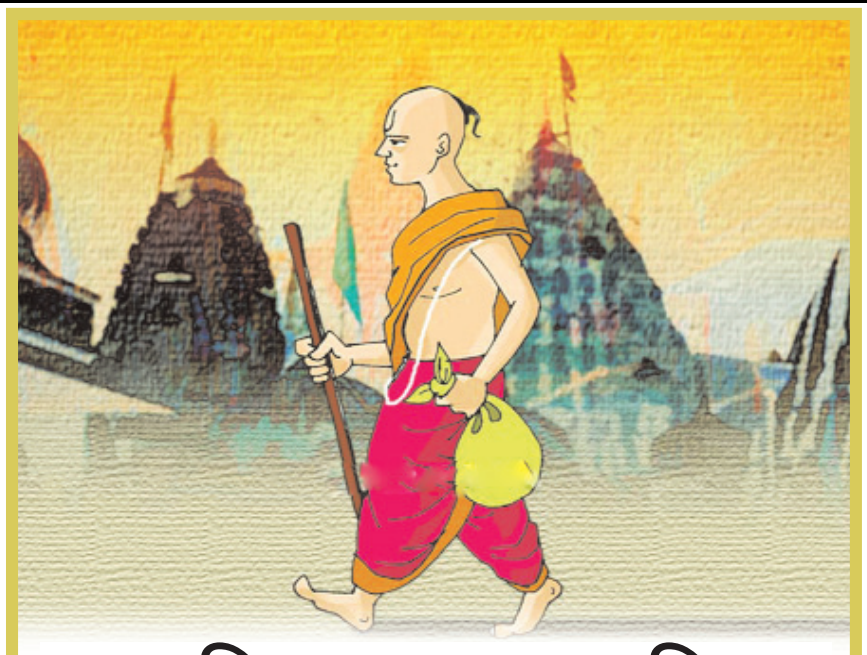

परिक्रमा या प्रदक्षिणा के 10 प्रकार

सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर यह सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। संपूर्ण ब्रह्माण में चक्र और परिक्रमा का बड़ा महत्व है। भारतीय धर्मों (हिन्दू, जैन, बौद्ध आदि) में पवित्र स्थलों के चारो ओर श्रद्धाभाव से चलना 'परिक्रमा' या 'प्रदक्षिणा' कहलाता है। आओ जानते हैं कि किन किन की परिक्रमा की जाती है या कितने प्रकार की परिक्रमा की जाती है। ये हैं प्रमुख 10 परिक्रमाएं -

देवमंदिर परिक्रमा
जैसे देव मंदिर में जगन्नाथ पुरी परिक्रमा, रामेश्वरम, तिरुवन्नमल, तिरुवनन्तपुरम, शक्तिपीठ, ज्योतिर्लिंग आदि।

देव मूर्ति परिक्रमा
देवमूर्ति में शिव, दुर्गा, गणेश, विष्णु, हनुमान, कार्तिकेय आदि देवमूर्तियों की परिक्रमा करना।

नदी परिक्रमा
जैसे नर्मदा, सिंधु, सरस्वती, गंगा, यमुना, सरयू, क्षिप्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी परिक्रमा आदि।

पर्वत परिक्रमा
जैसे गोवर्धन परिक्रमा, गिरनार, कामदगिरि, मेरू पर्वत, हिमालय, नीलगिरी, तिरुमलै परिक्रमा आदि।

वृक्ष परिक्रमा
जैसे पीपल और बरगद की परिक्रमा करना।

तीर्थ परिक्रमा
जैसे चौरासी कोस परिक्रमा, अयोध्या, उज्जैन या प्रयाग पंचकोशी यात्रा, राजिम परिक्रमा, सप्तपुरी आदि।

चार धाम परिक्रमा
जैसे छोटा चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री) परिक्रमा या बड़ा चार धाम (बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम) यात्रा।

भरत खण्ड परिक्रमा
अर्थात संपूर्ण भारत की परिक्रमा करना। परिवाजक संत और साधु ये यात्राएं करते हैं। इस यात्रा के पहले क्रम में सिंधु की यात्रा, दूसरे में गंगा की यात्रा, तीसरे में ब्रह्मपुत्र की यात्रा, चौथे में नर्मदा, पांचवें में महानदी, छठे में गोदावरी, सातवें में कावेरी, आठवें में कृष्णा और अंत में कन्याकुमारी में इस यात्रा का अंत होता है। हालांकि प्रत्येक साधु समाज में इस यात्रा का अलग–अलग विधान और नियम है।

विवाह परिक्रमा
मनु स्मृति में विवाह के समक्ष वधू को अग्नि के चारों ओर तीन बार प्रदक्षिणा करने का विधान बतलाया गया है जबकि दोनों मिलकर 7 बार प्रदक्षिणा करते हैं तो विवाह संपन्न माना जाता है।

माता पिता की परिक्रमा
भगवान गणेशजी ने अपने माता पिता की परिक्रमा की थी जिससे पता चलता है कि इस परिक्रमा का क्या महत्व है।

शव परिक्रमा
जब कोई किसी का अपना देह छोड़ देता है कि उसकी देह की परिक्रमा की जाती है। दाह संस्कार करते वक्त और करने के बाद मटकी से जल अर्पित करते वक्त भी परिक्रमा की जाती है।

धरती की परिक्रमा
एक बार देवताओं के बीच में धरती परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें जीते तो भगवान कार्तिकेय थे परंतु गणेशजी ने माता पिता की परिक्रमा करके यह प्रतियोगिता जीत ली थी।

ब्रह्मांड की परिक्रमा
यह परिक्रमा नारद जी करते रहते हैं।

किस देव की कितनी बार परिक्रमा?
- भगवान शिव की आधी परिक्रमा की जाती है।
- माता दुर्गा की एक परिक्रमा की जाती है।
- हनुमानजी और गणेशजी की तीन परिक्रमा की जाती है।
- भगवान विष्णु की चार परिक्रमा की जाती है।
- सूर्यदेव की चार परिक्रमा की जाती है।
- पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमाएं करना चाहिए।
- जिन देवताओं की प्रदक्षिणा का विधान नहीं प्राप्त होता है, उनकी तीन प्रदक्षिणा की जा सकती है।

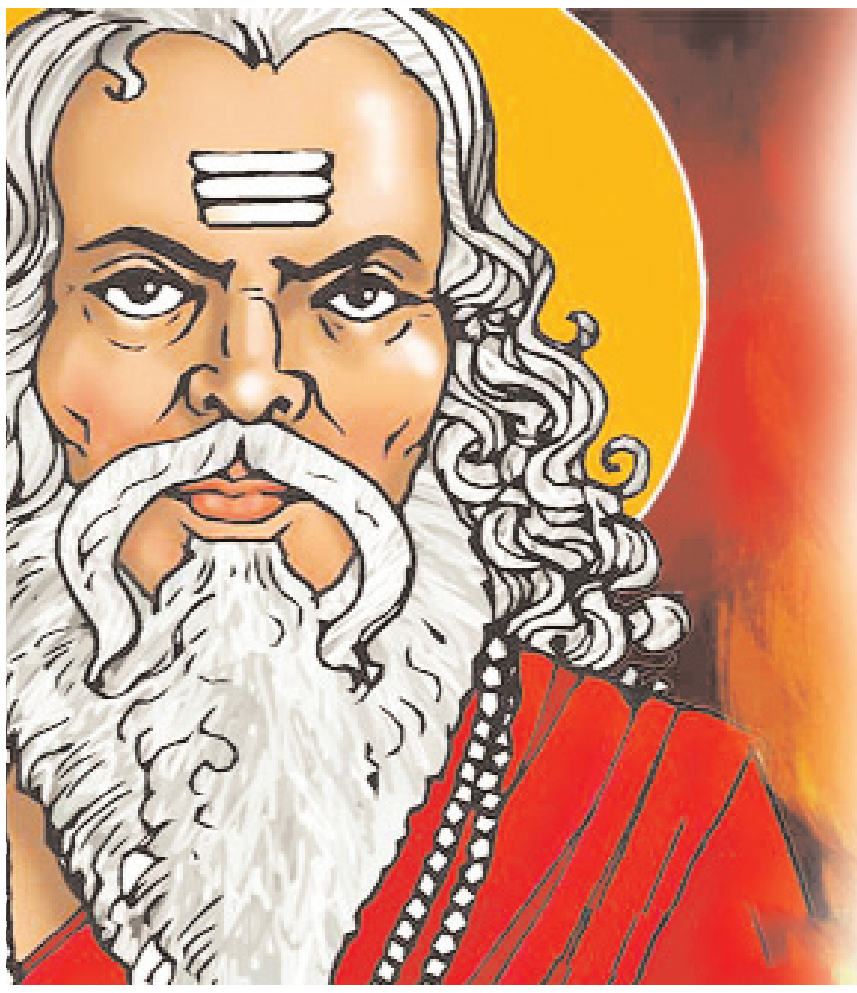

ब्रह्मा के पुत्र क्रतु ऋषि के थे 60 हजार पुत्र

पुराणों अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र- मन से मारिचि, नेत्र से अत्रि, मुख से अंगिरस, कान से पुलस्त्य, नाभि से पुलह, हाथ से कृतु, त्वचा से भृगु, प्राण से वशिष्ठ, अंगुष्ठ से दक्ष, छाया से कंदर्भ, गोद से नारद, इच्छा से सनक, सनन्दन, सनातन, सनतकुमार, शरीर से स्वायंभुव मनु, ध्यान से चित्रगुप्त आदि। आओ जानते हैं ऋषि अंगिरा के बारे में संक्षिप्त में जानकारी।

ब्रह्मा के पुत्र कृतु ऋषि :
- कृतु या क्रतु का जन्म ब्रह्माजी के हाथ से हुआ था। क्रतु 16 प्रजापतियों में से एक हैं। इनकी गणना सप्तर्षियों में की जाती है।
- ब्रह्मा की आज्ञा से उन्होंने दक्ष प्रजापति और क्रिया की पुत्री सन्नति से विवाह किया था। कहते हैं कि क्रतु और सन्नति से 'बालिखिल्य' नाम के 60 हजार पुत्र हुए। इन बालखिल्यों का आकार अंगूठे के बराबर माना जाता है। यह सभी पुत्र भगवान सूर्य के उपासक थे। सूर्य के रथ के आगे अपना मुख सूर्य की ओर किये हुए बालखिल्य चलते हैं और उनकी स्तुति करते हैं। इन ब्रह्मर्षियों की तपस्या शक्ति सूर्यदेव को प्राप्त होती रहती है।
- पुराणों अनुसार एक बार महर्षि मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप एक यज्ञ कर रहे थे। उन्होंने अपने तात महर्षि क्रतु से निवेदन किया कि वे उस यज्ञ के लिए ब्रह्मा का स्थान ग्रहण करें। अपने भतीजे के निवेदन पर महर्षि क्रतु अपने 60 हजार पुत्रों के साथ महर्षि कश्यप के यज्ञ में पधारे। उसी यज्ञ में देवराज इंद्र और महर्षि क्रतु के पुत्र बालखिल्यों में विवाद हो चला तब अपने पिता और महर्षि कश्यप द्वारा बीच–बचाव करने पर बालखिल्यों ने ही पक्षीराज गरुड़ को महर्षि कश्यप को पुत्र रूप में प्रदान किया था।
- पुराणों में महर्षि क्रतु की दो बहनों– पुण्य एवं सत्यवती का भी वर्णन मिलता है। महर्षि क्रतु और सन्नति की एक पुत्री का नाम भी पुण्य था। इसके साथ ही पर्वासा नाम की एक पुत्रवधु का भी वर्णन मिलता है।
- सर्वप्रथम वेद एक रूप में ही ब्रह्मा द्वारा उत्पन्न किए गए थे। बाद में महर्षि क्रतु ने ही वेदों के चार भाग करने में उनकी सहायता की थी। आगे चलकर वराहकल्प में क्रतु ऋषि ही महाभारत काल में वेद व्यास ऋषि हुए।
- मनु के पुत्र उत्तानपाद और उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव से महर्षि क्रतु अत्यंत प्रेम करते थे। जब अपने पिता से उपेक्षित होकर ध्रुव ने परमलोक की प्राप्ति करने की सोची तो सबसे पहे वो महर्षि क्रतु के पास गया। क्रतु ने ध्रुव को भगवान विष्णु की तपस्या करने की सलाह दी। बाद में देवर्षि नारद द्वारा अनुमोदन करने पर ध्रुव ने विष्णुजी की घोर तपस्या की और उनकी कृपा से परमलोक को प्राप्त हुआ। क्रतु ऋषि नाम का एक तारा है जो ध्रुव की परिक्रमा करने में आज भी लीन है। ध्रुव के प्रति अपने प्रेम के कारण ही महर्षि क्रतु उसके समीप चले गए।
- पुराणों में महर्षि क्रतु को महर्षि अगस्त्य के वातापि भक्षण और समुद्र को पी जाने के कारण उनकी प्रशंसा करते हुए भी बताया गया है। कुछ ग्रंथों में इस बात का वर्णन है कि महर्षि क्रतु ने महर्षि अगस्त्य के पुत्र ईधवाहा को भी गोद लिया था। इसके अलावा महाराज भरत ने महर्षि क्रतु से देवताओं के चरित्र के विषय में प्रश्न किया था। तब महर्षि क्रतु ने उनकी इस शंका का समाधान किया था।
- क्रतु नाम से एक अग्नि का नाम भी है और श्रीकृष्ण और जाम्बवती के कई पुत्रों में से एक का नाम क्रतु था। प्लक्षद्वीप की एक नदी का नाम भी क्रतु है। क्रतु का एक अर्थ 'आषाढ़' भी होता है और वर्ष के इसी मास में अधिकांश यज्ञ करने का प्रावधान शास्त्रों में बताया गया है।
- मैत्रेय संहिता के अनुसार एक बार यज्ञ से प्राप्त पशुओं का देवाताओं ने विभाजन कर दिया और उन्होंने रुद्र को उस विभाजन के हिस्से में शामिल नहीं किया तब रुद्रदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने देवताओं पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में पूषणा के दन्त, भग के नेत्र और क्रतु के अंडकोषों को नष्ट हो गए। बाद में ब्रह्माजी ने उनकी स्तुति करके उन्हें शांत किया और उन्हें 'पशुपति' की उपाधि दी। फिर रुद्रदेव ने सभी को पहले जैसा कर दिया।

भूकंप से कांप गई पाकिस्तान की धरती – रिएक्टर स्केल पर 6.3 रही तीव्रता

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के इस्लामाबाद में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 6.3 मापी गई है। गौरतलब है कि आम तौर पर 6.3 तीव्रता का भूकंप बेहद खतरनाक और विनाशकारी होता है। इस भूकंप से जानमान के नुकसान की तत्काल कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। बता दें कि बीते साल 22 जून में अफगानिस्तान और पाकिस्तान झटके 6.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के दक्षिणपूर्व में था। पाकिस्तान की मीडिया के मुताबिक भूकंप के झटके वहां इस्लामाबाद समेत बाकी शहरों में भी महसूस हुए तब इसकी वजह से लोग डरकर इधर–उधर भागने लगे थे। इससे पहले 17 जून को भी को भी पाकिस्तान में भूकंप आया था। तब इस्लामाबाद पेशावर रावलपिंडी और मुल्तान में ये झटके महसूस हुए थे। ये झटके फैसलाबाद एबटाबाद स्वात बुनेर कोहाट और मलकांडी में भी महसूस हुए। धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी हुई है। इनर कोर आउटर कोर मैनटल क्रस्ट क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर कहा जाता है। अब ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है जिन्हें टैकटोनिक प्लेट्स कहा जाता है यानि धरती की ऊपरी सतह 7 टेक्टोनिक प्लेटों से मिलकर बनी है। ये प्लेटें कभी भी स्थिर नहीं होतीं ये लगातार हिलती रहती हैं जब ये प्लेटें एक दूसरे की तरफ बढ़ती है तो इनमें आपस में टकराव होता है। कई बार ये प्लेटें टूट भी जाती हैं। इनके टकराने से बड़ी मात्रा में ऊर्जा निकलती है जिससे इलाके में हलचल होती है। कई बार ये झटके काफी कम तीव्रता के होते हैं इसलिए ये महसूस भी नहीं होते जबकि कई बार इतनी ज्यादा तीव्रता के होते हैं कि धरती फट तक जाती है।

कराची में बड़ा सड़क हादसा खाई में गिरी बस 37 लोगों की मौत 4 घायल

क्वेटा। पाकिस्तान के दक्षिण–पश्चिम पाकिस्तान के लासबेला जिले के बेला इलाके में रविवार तड़के एक तेज रफ्तार यात्री बस सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई। इस हादसे में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई है जबकि 4 अन्य घायल हो गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया है। दुर्घटना तब हुई जब बस गति में थी और ड्राइवर के नियंत्रण से बाहर हो गई। बस खाई में गिरने के बाद उसमें आग भी लग गई। सहायक आयुक्त ने 18 स्थानीय लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा से कराची जा रही बस खाई में गिर गई। इसके बाद इसमें आग लग गई। प्रारंभिक रिपोर्टों में दावा किया गया है कि कम से कम 48 यात्री बस में सवार थे बचाव अभियान जारी है और घायलों को बाहर निकाला जा रहा है। बचाव अभियान जारी रहने के कारण मौतों की संख्या बढ़ सकती है। घायल लोगों को लासबेला के नागरिक अस्पताल में भर्ती किया गया है। दुर्घटनास्थल पर दमकल बचावकर्मी और सुरक्षाकर्मी मौजूद हैं। स्थानीय लोग भी बचाव कार्य में मदद कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि घायलों और शवों को निकालने के बाद भारी मशीनरी का उपयोग कर बस को भी खाई से निकालने की कोशिश की जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने इस दुर्घटना का कारण ओवरस्पीडिंग बताया है।

तालिबान का फरमान : यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम में छात्राओं की एंट्री पर लगाया बैन

काबुल । तालिबान ने शनिवार को महिलाओं की शिक्षा पर प्रतिबंध को और बढ़ा दिया। निजी विश्वविद्यालयों को एक संदेश जारी कर कहा कि महिलाओं को विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा देने से रोक दिया गया है। तालिबान ने पिछले महीने निजी और सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। तालिबान द्वारा संचालित सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री निदा मोहम्मद नदीम ने कहा है कि विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जा रहे कुछ विषय इस्लामी सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। तालिबान ने लड़कियों की स्कूली शिक्षा पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए है। कक्षा छह के बाद बच्चियों को पढ़ने की अनुमति नहीं है। तालिबान के जारी चेतावनी पत्र में कहा गया है महिलाएं स्नातक परा स्नातक डॉक्टरेट स्तरों की प्रवेश परीक्षा नहीं दे सकतीं। अगर कोई विश्वविद्यालय इस आदेश का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पत्र पर निजी विश्वविद्यालयों में छात्र मामलों की देखरेख करने वाले सरकारी अधिकारी मोहम्मद सलीम अफगान ने हस्ताक्षर किए थे। प्रवेश परीक्षा रविवार से अफगानिस्तान के कुछ विश्वविद्यालयों में शुरू हो रही है।

लास एंजेल्स में गोलीबारी में 3 लोगों की मौत कई घायल

वाशिंगटन । अमेरिका के कैलिफोर्निया में सुबह गोलीबारी में 3 लोगों की मौत हो गई है जबकि 4 लोग घायल हुए हैं। लॉस एंजेल्स पुलिस के सार्जेंट फ्रैंक प्रेसियाडो ने लॉस एंजिलिस के नजदीक बेवरली क्रेस्ट में देर रात 2:30 बजे गोलीबारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि जिन 7 लोगों को गोली मारी गई है उनमें चार लोग बाहर थे जबकि 3 लोग वाहन में सवार थे। हमले के हताहतों की पहचान जाहिर नहीं की गई है। वहीं घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रेसियाडो ने कहा उनके पास गोलीबारी की वजह संबंधी जानकारी नहीं है और यह भी नहीं पता कि घटना आवास में हुई या बाहर। गौरतलब है कि कैलिफोर्निया में इस माह यह गोलीबारी की चौथी घटना है। बंदूक हिंसा अभिलेखों के मुताबिक लगातार तीसरे साल वर्ष 2022 में अमेरिका में गोलीबारी की करीब 600 घटनाएं दर्ज की गई और इन प्रत्येक घटनाओं में कम से कम चार लोगों की मौत हुई या लोग घायल हुए।

येरुशलम में 7 लोगों की हत्या के बाद भड़का संघर्ष इजराइल ने अरब इलाकों में शुरू की मददगारों की तलाश

यरूशलम । पवित्र शहर यरूशलम में दो हमलों के बाद शनिवार शाम फिलीस्तीनियों और इजरायली पुलिस के बीच कई झड़पें हुईं। इजरायल पुलिस शहर के अरब इलाकों में उन लोगों की तलाश कर रही है जिन्होंने हमलावरों की सहायता की। शुक्रवार शाम पूर्वी येरुशलम के निवासी एक फिलिस्तीनी ने 7 इजरायलियों की गोली मारकर हत्या कर दी और तीन अन्य को घायल कर दिया। शनिवार सुबह शहर के 13 वर्षीय फिलिस्तीनी ने इजरायलियों के एक समूह पर गोली चला दी जिसमें से दो घायल हो गए। पुलिस के एक बयान में कहा गया है बलों को पत्थरबाजी और आतिशबाजी का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया पर फुटेज में यरूशलम के कई इलाकों में बड़े पैमाने पर पटाखों की फायरिंग देखी गई। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि एक फिलिस्तीनी हमलावर ने मृत सागर के पास एक रेस्तरां में गोली चला दी हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ और हमलावर मौके से फरार हो गया। इजरायली सेना ने जेरिको के वेस्ट बैंक फिलिस्तीनी शहर में प्रवेश किया। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने नवीनतम घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा कैबिनेट की बैठक बुलाई। इस हफ्ते की शुरुआत में वेस्ट बैंक के जेनिन शहर में इजरायली सेना द्वारा एक छापे के परिणामस्वरूप नौ फिलिस्तीनियों की मौत हो गई थी। इसके बाद फिलिस्तीनी आतंकवादी संगठनों से बदला लेने का संकल्प लिया था।

न्यूयॉर्क में सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत 3 लोग घायल

लुइसविली । न्यूयॉर्क में अमेरिका–कनाडा सीमा के पास एक दर्जन से अधिक लोगों को ले जा रही एक बस और एक ट्रक के बीच टक्कर हो जाने से छह लोगों की मौत हो गई तथा तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घायलों का एक अस्पताल में चल रहा है और उनमें एक की हालत गंभीर है। बस में 15 लोग सवार थे। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना का दृश्य भीषण था। इस टीवी स्टेशन द्वारा जारी की गई तस्वीरों में राजमार्ग के किनारे कुछ फुट ऊंची बर्फ को देखा जा सकता है। शनिवार सुबह करीब छह बजे दुर्घटना हुई और शायद उस समय कम दृश्यता रही होगी। अधिकारियों ने टीवी स्टेशन को बताया कि ट्रक सामानों से पूरी तरह से भरा हुआ था।

केपटाउन पहुंचा रुस का पोलर एक्सपोलर समुद्री जहाज इस दौरान एक एक्सटिंग्सन रीबेलेशन का एक सदस्य बैनर लिए हुए।

जापान ने दिया रूस को झटका कई सामनों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया

टोक्यो । जापान ने रूस को वैक्सीन चिकित्सा उपकरणों दवाओं परमाणु सामग्री एवं उपकरणों और विस्फोटकों का पता लगाने वाले उपकरणों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया। जापान के वित्त व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहायूक्रेन के आसपास की अंतरराष्ट्रीय स्थिति के संबंध में और समस्या को हल करने और शांति स्थापित करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में योगदान के तौर पर जापानी सरकार ने रूस को उन सामानों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है जिनका उपयोग सैन्य शक्ति को मजबूत करने के लिए किया जा सकता है। प्रतिबंध तीन फरवरी से प्रभावी होगा।

मंत्रालय के बयान के मुताबिक निर्यात के लिए प्रतिबंधित वस्तुओं की सूची में परमाणु सामग्री एवं उपकरण रेडियोधर्मी प्रसंस्करण उपकरण तेल एवं गैस अन्वेषण उपकरण बैटन वैक्सीन चिकित्सा सामान चिकित्सा परीक्षण फिंगरप्रिंट पाउडर आंसू गैस डोसिमीटर विस्फोटक एक्स–रे निरीक्षण मशीन सामग्रियों को मिश्रित करने वाले उपकरण पोर्टेबल इलेक्ट्रिक जनरेटर रोबोट तथा ड्रिलिंग रिग्स शामिल हैं। इसके अलावा उन पदार्थों के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगाया गया है जिनका उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए कच्चे माल जहरीले रसायनों और अन्य सामानों के रूप में किया जा सकता है। इससे पहले जापान के विदेश मंत्रालय ने रूस के 22 व्यक्तियों तथा तीन कंपनियों की सम्पतियां जब्त करने की घोषणा की थी।

भारत- संयुक्त राष्ट्र की रणनीतिक सोच में काफी समानताएं : कोरोसी

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष साबा कोरोसी ने भारत को 'ग्लोबल साउथ के अग्रणी देशों में से एक' के रूप में वर्णित करते हुए कहा है कि दुनिया में बदलाव की जरूरत को लेकर भारत और संयुक्त राष्ट्र की रणनीतिक सोच में काफी समानताएं हैं। कोरोसी विदेश मंत्री एस जयशंकर के निमंत्रण पर तीन दिवसीय दौरे पर रविवार को भारत आएंगे। सितंबर 2022 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से यह किसी भी देश की उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा है। कोरोसी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'मैं काफी उम्मीदों के साथ भारत की यात्रा कर रहा हूं।'

उन्होंने कहा, 'मुझे भारत और संयुक्त राष्ट्र की रणनीतिक सोच में काफी समानताएं दिखती हैं कि दुनिया कैसी दिखनी चाहिए, दुनिया को किस तरह के परिवर्तन की जरूरत है, हम खुद को कैसे बदल सकते हैं, हम इस संगठन को कैसे बदल सकते हैं और हम वैश्विक मामलों में अपने रुख को कैसे बदल सकते हैं। इसलिए, मेरा भागीदारों के लिए मुख्य संदेश होगा-मैं वहां (भारत) सहयोग हासिल करने के लिए जा रहा हूं।' जयशंकर के साथ कोरोसी की बातचीत संयुक्त राष्ट्र निकाय के साथ-साथ सतत जल उपयोग के मामले में भारत की भागीदारी पर केंद्रित होने की उम्मीद है।

भारत को 'ग्लोबल साउथ के अग्रणी देशों में से एक' बताते हुए कोरोसी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और ग्रह पर सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने के करीब है। उन्होंने कहा, 'भारत अच्छी तरह से जानता है कि दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। भारत ऐसी कई मुश्किलों से जूझ रहा है, जिनका अलग-अलग रूपों में, पूरी दुनिया में, हम भी सामना कर रहे हैं। भारत अपने स्वयं के समाधान की तलाश कर रहा है और कई मामलों में न केवल अपने लिए, बल्कि कई अन्य देशों के लिए भी।

अमेरिका पर अब नहीं रह गया है जापान को भरोसा !

– जापान लंबी दूरी के हथियारों और सैन्य क्षमताओं पर जमकर निवेश करेगा

टोक्यो (एजेंसी)। जापान दुनिया का वह इकलौता देश है जिसने कभी परमाणु हमला झेला। अमेरिका ने जब अपना परमाणु बन बनाया तो उसने जापान पर ही गिरा दिया। हिरोशिमा और नागासाकी में तबाही झेलने के बाद भी जापान के रिश्ते अमेरिका के साथ अच्छे ही रहे लेकिन अब माना जा रहा है कि इन रिश्तों में दुनिया को बदलाव देखने को मिल सकता है। जापान ने तय कर लिया है कि वह लंबी दूरी के हथियारों और सैन्य क्षमताओं पर जमकर निवेश करेगा। उसका यह फैसला बताने के लिए काफी है कि वह किसी किस दिशा में बदलाव को लेकर जाने वाला है। इसका सीधा असर अमेरिका के साथ उसके रिश्तों पर भी पड़ सकता है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने उपकरणों और हथियारों की एक लंबी लिस्ट जारी कर दी है। जापान का कहना है कि इन उपकरणों और हथियारों को रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए खरीदा जाएगा। उसका मकसद चीन उत्तर कोरिया और रूस की तरफसे मिलते खतरों का सामना करना है। जो योजना जापान ने तैयार की है उसके मुताबिक वह हाइपरसोनिक हथियारों की रिसर्च करेगा और उन्हें विकसित करेगा। साथ ही वह हाई स्पीड ग्लाइड बमों टाइप 03 मिसाइल का सुधरा हुआ वर्जन लक्ष्य भेदने वाले हथियारों के साथ ही अंडरवॉटर व्हीकल्स और समंदर के अंदर निशाना बनाने वाले हथियारों को भी तैयार करेगा। जापान की योजना यूएवी टाइप 12 एंटी शिप मिसाइल ग्लाइड बम और एसएच-60के एंटी-सबमरीन हेलीकॉप्टर्स को खरीदने की भी है।

अगले कुछ दिनों में पाकिस्तान में आने वाली है महंगाई की सुनामी पूर्व पाक वित्तमंत्री ने दी चेतावनी

इस्लामाबाद । (एजेंसी)। पाकिस्तीन के पूर्व वित्तमंत्री और वित्त विशेषज्ञ शौकत तारिन ने कहा है कि अगले कुछ दिनों में देश में महंगाई की सुनामी आने वाली है। तारिन की यह बात बेहद डराने वाली है। उन्होंने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब पाकिस्तान की शहबाज सरकार आयात के भुगतान के संकट से जूझ रही है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार गर्त में जा रहा है। तारिन ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों में देश के लिए अगले कुछ दिन बेहद ही डराने वाले हैं।

तारिन ने पाकिस्तानी नागरिकों से कहा है कि वह महंगाई का सामना करने के लिए तैयार रहें। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की तरफ से बेलआउट पैकेज के लिए नए करों को लागू करने के लिए सरकार पर दबाव डाला जा रहा है। ऐसे में सरकार 3.2 खरब रुपए वाले नए कर लागू कर सकती है। उनकी मानें तो आईएमएफ की तरफ से जो शर्तें लगाई गई हैं उन्हें मानकर सरकार उसका रास्ता आसान कर रही है।

तारिन ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर आरोप लगाया कि उन्होंने आईएमएफ के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पूर्व वित्त मंत्री ने यह वॉर्निंग उस समय दी जब वह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। इस कॉन्फ्रेंस में पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के महासचिव असद उमर भी मौजूद थे।

शौकत तारिन ने देश की डूबती हुई अर्थव्यवस्था की तस्वीर पेश कर रहे थे। उनका कहना था कि परिपत्र ऋण हर महीने 123 अरब रुपए के हिसाब से बढ़ रहा है। देश पर जो कर्ज है वह पिछले दो दिनों में रुपए की गिरती कीमत की वजह से दिनों पहले ही 4.5 खरब रुपए तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) 30 से 35 फीसदी तक बढ़ेगा। इसकी वजह से महंगाई का बढ़ाना बहुत लाजिमी है। साथ ही देश में बेरोजगारी की दर भी आसमान छूने वाली है।

तारिन ने इस तरफ भी ध्यान कि आईएमएफ भी तीन अरब रुपए के बजट घाटे के कारण बहुत कुछ करने में अनिच्छुक था। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसी खराब स्थितियों में भी वैश्विक ऋणदाताओं के साथ डील करने की तरफ कदम बढ़ा रही है। उनकी मानें तो सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। तारिन ने कहा कि कर्ज की वजह से देश में बिजली की कीमतों पर 50 रुपए प्रति यूनिट तक का इजाफा होगा। देश में महंगाई की सुनामी आने वाली है।

सऊदी अरब की पाक को सलाह- कश्मीर भूलकर भारत से दोस्ती कर लो

–आईएमएफ के बाद अब करीबी देशों ने भी पाक को दो टूक जवाब दिया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहे पड़ोसी देश को अब झटके पर झटका मिल रहा है। आईएमएफ के बाद अब उसके करीबी देशों ने भी उसे दो टूक जवाब दिया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने पाकिस्तान से कहा है कि वह कश्मीर मुद्दे पर दिमाग न खपाए और भारत से दोस्ती करके इस विवाद को खत्म कर दे। यूएई और सऊदी अरब दोनों ने ही पाकिस्तान को सलाह दी है कि अब वह कश्मीर के मुद्दे पर शांत हो जाए। बता दें कि कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था कि वह पीएम मोदी को संदेश देना चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच शांति स्थापित हो लेकिन बाद में पीएमओ की तरफ से फिर से कहा गया कि कश्मीर मे अनुच्छेद-370 बहाल होने के बाद ही बातचीत की गुंजाइश है।

सऊदी अरब इस बात को समझ गया है कि पाकिस्तान अपनी माली हालत को सुधारने के बजाय सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए कश्मीर राग अलापता रहता है। वह दुनिया के हर मंच पर विकास की बात करने की जगह इसी मुद्दे को रखता है। ऐसे में सऊदी अरब ने अपने हाथ खींच लिए हैं। वहीं यूएई ने पाक की आपत्तियों को नजरअंदाज करते हुए कश्मीर में निवेश का फैसला कर लिया है। बात करें ओआईसी की तो वह सऊदी अरब के इशारे पर ही चलता है। ऐसे में ओआईसी के सदस्य देश भी शांत हैं। पाकिस्तानी मीडिया में भी इस बात को लेकर काफी चर्चा है। पाकिस्तानी मीडिया का भी कहना है कि भारत के साथ साऊदी अरब और यूएई के आर्थिक संबंध काफी मजबूत हो गए हैं। वहीं सऊदी अरब और यूएई भी तेल के अतिरिक्त साधन से अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में लगे हैं। भारत एक बड़ा बाजार है ऐसे में अगर भारत के द्वार उनके लिए खुलते हैं तो वे फायदे में रहेंगे। दावा यह भी किया गया कि इमरान खान के कार्यकाल में भारत के साथ पाकिस्तान की बात होने ही वाली थी। पूर्व सेना प्रमुख बाजवा इसके लिए तैयार भी हो गए थे लेकिन फिर इमरान खान ने ही अपने कदम पीछे खींच लिए।

सैन्य विमान उपलब्ध कराने के लिए वार्ता तेज : यूक्रेन

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगी युद्ध प्रभावित देश को लंबी दूरी की मिसाइलें और सैन्य विमान उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर 'फास्ट ट्रैक' वार्ता कर रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को यह बात कही। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सलाहकार मिखाइलो पोदोल्याक ने कहा कि पश्चिम में यूक्रेन के समर्थक 'समझते हैं कि युद्ध में वास्तविक रूप से क्या हो रहा है', वे जानते हैं कि कीव को बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों को सुरक्षा कवच मुहैया कराने में सक्षम उन विमानों की आपूर्ति करना कितना आवश्यक है, जिसकी अमेरिका और जर्मनी ने इस महीने की शुरुआत में प्रतिबद्धता जताई थी।

हालांकि, ऑनलाइन वीडियो चैनल 'फ्रीडम' के साथ बातचीत में पोदोल्याक ने माना कि 'अंतरराष्ट्रीय स्थिति में बदलाव के डर के चलते' यूक्रेन के कुछ पश्चिमी सहयोगियों का युद्ध प्रभावित देश को हथियारों की आपूर्ति के संबंध में 'सतर्क' रवैया बरकरार है। रूस और उत्तर कोरिया ने पश्चिमी देशों पर कीव को तेजी से उन्नत हथियार भेजकर युद्ध को लंबा खींचने और इसमें सीधी भूमिका निभाने का आरोप लगाया है।

पोदोल्याक ने किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, 'हमें उनके साथ काम करने की ज़रूरत है। हमें (अपने सहयोगियों के सामने) इस युद्ध की वास्तविक तस्वीर दिखानी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'हमें यथोचित बोलना चाहिए और उन्हें बताना चाहिए, उदाहरण के लिए, इन चीजों से मौतें कम होंगी, इन चीजों से बुनियादी ढांचे पर बोझ घटेगा। ये चीजें यूरोपीय महाद्वीप के लिए सुरक्षा खतरों को कम करेंगी, इन चीजों से युद्ध स्थानीय स्तर ही बना रहेगा। और हम ऐसा कर भी रहे हैं।

पाक के ज्यादातर विवि कचरा धर्म पर आधारित शिक्षा कभी किसी का भला नहीं कर सकती : परवेज हुदभाय

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। भारत का पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान उस संकट की तरफ बढ़ रहा है जहां से उसका लौटना बहुत ही मुश्किल है। भयंकर आर्थिक संकट और गिरते विदेशी मुद्रा भंडार के बीच समझ नहीं आ रहा है कि आखिर इसके लिए कौन जिम्मेदार है। इस संकट से निपटने के लिए धन की जरूरत है सरकार इस जरूरत को अगले दिनों में आम जनता पर टैक्स का बोझ डालकर पूरा कर सकती है। वहीं संकट की स्थिति के बीच एलीट वर्ग को दोषी ठहराने का नया ट्रेंड शुरू हो गया है।

अक्सर देश के एलीट वर्ग पर आरोप लगते हैं कि वह सार्वजनिक संसाधनों की चोरी कर रहा है। जबकि स्थिति इससे अलग है।

देश के प्रमुख भौतिक विज्ञानी परवेज हुदभाय इस स्थिति के लिए पाकिस्तान को ही जिम्मेदार मानते हैं। देश में आतंकवाद को पनाह देने की वजह से आज यह हालात पैदा हुए हैं। पाकिस्तान के जाने-माने भौतिक विज्ञानी परवेज हुदभाय की मानें तो धर्म और प्रपोगैंडे के आधार पर दी गई शिक्षा कभी किसी का भला नहीं कर सकती है। देश की कुछ यूनिवर्सिटीज को छोड़ दिया जाए तो बाकी सारी कचरा हैं। यहां पर पढ़ाने वाले प्रोफेसर सिर्फ टैक्सी चलाने के लिए लायक ही हैं। परेवज मानते हैं कि पाकिस्तान को यह समझना होगा कि इन हालातों के लिए कोई और जिम्मेदार नहीं हैं। एक तरफ तो आप पश्चिम से नफरत करते हैं लेकिन बेलआउट पैकेज के लिए उन्हीं पर निर्भर हैं। अपने दुर्भाग्य के लिए पाकिस्तान ही जिम्मेदार हैं।

उन्होंने तालिबान और आतंकवाद के लिए भी पाकिस्तान को ही जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि इस बात में कोई दो राय नहीं है कि अमेरिका ने पाकिस्तान का फायदा उठाया लेकिन पाकिस्तान को भी तो डॉलर का लालच था।

भारत अमेरिका यूरोप रूस और चीन हर जगह एलीट वर्ग है। लेकिन इन देशों के अमीर अपने देश की तरफ ज्यादा ध्यान देने वाले हैं। इस वजह से उनके ज्ञान पर आधारित अर्थव्यवस्थाएं बढ़ती रहती हैं। परवेज का मानना है कि पाकिस्तान का अमीर तबका सिर्फ अपने तक ही सीमित है। कुछ लोग इसमें से भ्रष्ट भी हैं और वो कानून में जरा भी यकीन नहीं रखते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस पूरी स्थिति के लिए सिर्फ वो ही जिम्मेदार हैं। परवेज के मुताबिक देश की यह हालत इसलिए भी है क्योंकि पाकिस्तान के अमीरों के मूल्य और दुनिया को देखने का उनका नजरिया पूरी तरह से फेल हो गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विमान से टकराया पक्षी हादसा टला

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एयरपोर्ट पर उड़ान भरने के दौरान ही एक पक्षी विमान से टकरा गया पर राहत की बात यह रही कि कोई हादसा नहीं हुआ। पायलट की सतर्कता से यह हादसा टला। इस घटना के दौरान विमान में करीब 180 यात्री सवार थे जो सभी यात्री सुरक्षित हैं। अब तक की जानकारी के अनुसार लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर लखनऊ से कोलकाता जा रही एयर एशिया की उड़ान से एक पक्षी टकरा गया। इसके बाद पायलट ने बड़ी ही सूझबूझ से विमान में इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। बताया जा रहा है कि एयर एशिया का ये विमान जैसे ही रनवे से टेकऑफ करने वाला था उसी समय उसके दूसरे इंजन से पक्षी टकरा गया। ऐसे में पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर विमान को रोका और इसकी जानकारी तत्काल ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। इसके बाद यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। बाद में उन्हें दूसरे विमान से भेजा गया।

कानपुर–लखनऊ हाईवे पर भीषण हादसा कोहरे के कारण एक साथ टकराए छह वाहन

उन्नाव । कानपुर–लखनऊ हाईवे पर सोहरामऊ क्षेत्र में सड़क घेरकर खड़ी प्राइवेट बस में रविवार सुबह 80 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आ रहा डंपर पीछे से टकरा गया। बस खंती में चली गई जबकि डंपर के दूसरी दिशा में जाने से उससे चार अन्य वाहन टकरा गए। हादसे में बस सवार दो युवतियों समेत 15 लोग घायल हो गए। सभी को लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवतियों की हालत गंभीर है। मौसम के करवट बदलते ही एक बार फिर कोहरे ने सड़कों पर कब्जा कर लिया लो विजिबिलिटी के कारण आएदिन हादसे की चपेट में आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि जहां यह हादसा हुआ है वहां भी घना कोहरा था। जानकारी के अनुसार लखनऊ बंथरा के कटी बगिया में आनलाइन शापिंग कंपनी का गोदाम है। गोदाम की बस रोजाना सदर क्षेत्र व हाईवे के अन्य गांव से मजदूरों को गोदाम तक लाने और छोड़ने का काम करती है। रविवार सुबह आठ बजे सदर क्षेत्र से मजदूरों को लेकर बस सोहरामऊ के बजेहरा गांव के पास एक मजदूर को लेने के लिए सड़क घेरकर खड़ी हो गई। इसी बीच कानपुर से लखनऊ की ओर जा रहा मौरंग लदा डंपर पीछे से भिड़ गया। टक्कर इतनी तेज थी कि बस पान की गुमटी को तोड़ती हुई खंती में चली गई और डंपर डिवाइडर पार कर लखनऊ से कानपुर जाने वाली दिशा में चला गया। लखनऊ से कानपुर जा रहा ट्राला मिनी ट्रक व डंपर व लोडर पीछे से भिड़ गया। बस सवार युवती शिवानी व भावना समेत 15 लोग घायल हो गए जिन्हें लखनऊ आलमबाग स्थित एसआर हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। दोनों युवतियों की हालत गंभीर है। हादसे के बाद हाईवे पर भीषण जाम लग गया जिससे सर्विस मार्ग से वाहन निकले। क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन से हटाकर करीब पांच घंटे बाद आवागमन सामान्य कराया गया। इस दौरान सोहरामऊ अजगैन व बंथरा थाना का पुलिस बल मौजूद रहा।

दिल्ली के कुछ इलाकों में हल्की बारिश, न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में रविवार को हल्की बारिश हुई तथा न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री कम है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के अनुसार, दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 95 फीसदी दर्ज की गई। आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली में अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। इसके अलावा, मौसम विज्ञानियों ने आसमान में बादल छाए रहने और गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान जताया है। गणतंत्र दिवस समारोह के औपचारिक अंत के प्रतीक के रूप में मनाया जाने वाला 'बीटिंग रिट्रीट समारोह' रविवार को विजय चौक पर आयोजित होगा। शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी का न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री और अधिकतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

सहायक जेलर के घर पर लोकायुक्त का छापा, आय के ज्ञात स्रोतों से 100 गुना अधिक संपत्ति मिली

ग्वालियर। मध्य प्रदेश लोकायुक्त पुलिस ने मुरैना में पदस्थ एक सहायक जेलर के दो ठिकानों पर छापा मारकर उसकी आय के ज्ञात स्रोतों से 100 गुना अधिक संपत्ति मिलने का खुलासा किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सहायक जेलर के ठिकानों पर शनिवार को छापा मारा गया और इस दौरान उनके पास 12.5 लाख रुपये नकद, करीब 12 लाख रुपये कीमत के जेवरात और मकान एवं भूखंड होने की जानकारी सामने आई। लोकायुक्त के पुलिस उपाधीक्षक राघवेंद्र ऋषिश्वर ने बताया कि शनिवार सुबह मुरैना जेल में पदस्थ सहायक जेलर हरिओम शर्मा के घर पर लोकायुक्त पुलिस ने छापा मारा, जिसमें उनकी संपत्ति आय के ज्ञात स्रोतों से सौ गुना से ज्यादा मिली। ऋषिश्वर ने कहा, ''इस छापे में शर्मा के ग्वालियर स्थित मकान से 12.5 लाख रुपये नकद, करीब 12 लाख रुपये कीमत के जेवरात और दीनदयाल नगर (ग्वालियर) स्थित एक मकान के कागजात मिले हैं। इसके अलावा, जमीन संबंधी कुछ दस्तावेज भी बरामद हुए हैं, जिनकी जांच की जा रही है।'' ऋषिश्वर ने बताया कि सहायक जेलर की अनुपातहीन संपत्ति की शिकायत की जांच लोकायुक्त द्वारा पहले से ही की जा रही थी और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई भी की जा रही है। ऋषिश्वर ने बताया कि सहायक जेलर का बैंक लॉकर भी जल्दी ही खोला जाएगा।

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बनेगी 135 किमी की सड़क

–चीन की चालबाजी पर अब होगी भारत की सीधी नजर

नई दिल्ली। भारत ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) तक अपनी राह को आसान बनाने के लिए एक रणनीतिक सड़क का निर्माण शुरू कर दिया है। इससे चीन की चालबाजी पर नजर रखने में मदद मिलेगी। यह सड़क पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग त्सो के दक्षिण में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चुशुल और पूर्वी लद्दाख में डेमचोक के बीच की दूरी को कम करेगी जो करीब 135 किमी है। इस सड़क के बन जाने से आईटीबीपी की हेना पोस्ट और फुकचे में लैंडिंग ग्राउंड में स्थित तिब्बती शरणार्थी कैंप तक पहुंचने में आसानी होगी। सीमा सड़क संगठन ने इसका निर्माण गणतंत्र दिवस पर शुरू किया। इस परियोजना के दो साल में पूरा होने की उम्मीद है। इस परियोजना के तहत लोमा में सिंधु नदी पर बने लोहे के पुल को कंक्रीट के पुल के साथ बदल दिया जाएगा। इससे सेना को पूर्वी लद्दाख के बीचोबीच भारी वाहनों की आवाजाही करने में मदद मिलेगी। चुशुल के लेह से तीन ब्लैकटॉप लिंक हैं। उनमें से दो तांगत्से पर मिलते हैं। यहां से सड़क चांग ला (पास) होते हुए लेह तक जाती है। चुशूल से सिंधु पर लोमा पुल तक जाने वाली सड़कें ज्यादातर कच्ची हैं। लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के अध्यक्ष ताशी ग्यालट्सन ने कहा कि रणनीतिक चुशुल–डुंगती–फुक्चे–डेमचोक सड़क के शिलान्यास के साथ हम फिर से एलएसी के पास अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ गए हैं। स्थानीय लोगों द्वारा लंबे समय से इसकी मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि बीआरओ को एक या दो सीजन में तेजी से काम पूरा करना है।

इटावा में धू–धू कर जल उठा लखनऊ से जयपुर जा रहा कंटेनर आगरा एक्सप्रेसवे पर लगा 4 किमी लंबा जाम

इटावा । उत्तर प्रदेश के इटावा जिले से निकलने वाले आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गांव कुरखा के पास रविवार सुबह 6 बजे कंटेनर में अचानक आग लग गई है। आग इतनी भीषण थी कि चालक और परिचालक ने कूदकर किसी तरह से अपनी जान बचाई। उन्होंने आग को बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग ने विकराल रूप धारण किया। यूपीडा की सुरक्षा टीम और दमकल को सूचना दी गई जिस पर उन्होंने मौके पर पहुंचकर करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कंटेनर लखनऊ से दवाइयां लेकर जयपुर जा रहा था। आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे पर कंटेनर में आग लगने के कारण करीब 1 घंटे से ज्यादा समय तक जाम लगा रहा। आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे की आगरा की तरफ जाने वाली लेन पूरी तरह से बंद हो गई।

बजट सत्र से पहले विपक्ष को मिला मुद्दा भूपेन्द्र सरकार के लिए परेशानी पैदा कर सकती है पेपर लीक की घटना

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात विधानसभा के बजट सत्र से पहले राज्य में पेपर लीक की घटना भूपेन्द्र पटेल सरकार के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। जूनियर क्लर्क की परीक्षा रद्द होने के बाद गुजरात में जिस तरह अभ्यर्थी प्रदर्शन कर रहे हैं उससे सरकार के लिए सरदर्द की स्थिति पैदा हो गई है। राज्य में भारी बहुमत से जीतकर आई भाजपा ने चुनावों में पेपर लीक नहीं होने देने का वादा किया था लेकिन नई सरकार के कार्यकाल की शुरुआत में पेपर लीक घटना हो गई। इसके चलते 29 जनवरी को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर होने वाली पंचायत के जूनियर क्लर्क की परीक्षा को रद्द कर दिया गया।

पिछले साल जब हेड क्लर्क की परीक्षा का पेपर लीक हुआ था तो आम आदमी पार्टी ने राज्यभर में गो-सेवा पसंदगी बोर्ड के चेयरमैन असित वोरा को हटाने के लिए अनशन किया था। बजट सत्र से पहले पेपर लीक की इस घटना से सरकार की मुश्किलें बढ़नी तय हैं। गुजरात पंचायत सेवा चयन बोर्ड की तरफ से अयोजित की गई जूनियर क्लर्क 1181 पदों के लिए राज्य में साढ़े नौ लाख युवाओं ने आवेदन किया था। ये अभ्यर्थी परीक्षा केंद्रों पर पहुंच चुके थे। परीक्षा शुरू होने से कुछ घंटों पहले जिस तरह से परीक्षा रद्द हुई। उससे साफ है कि सरकार की तमाम एजेंसियों वीक स्टांग रूम को मजबूत नहीं कर पाई। इसके चलते पेपर लीक हुआ और फिर परीक्षा रद्द करनी पड़ी। गुजरात पंचायत सेवा चयन बोर्ड ने शुरुआती बयान में कहा है कि परीक्षा के आयोजन में सरकार की कोई जवाबदेही नहीं थी लेकिन सदन में इस मुद्दे पर विपक्ष के सवालों को सरकार को ही सामना करना पड़ेगा।

राज्य में पेपर लीक की यह कोई पहली घटना नहीं है। राज्य में एक अनुमान के मुताबिक पिछले कुछ सालों में पेपरलीक की यह 13वीं घटना है। राज्य सरकार पेपर लीक को लेकर लगातार विपक्ष के निशाने पर है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर हों या फिर आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी दोनों ने इस मुद्दे पर सरकार को निशाने पर लिया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी और लिखा कि हर साल ऐसी घटनाओं से युवाओं का भविष्य चौपट हो रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि सरकार जिस मोर्चे पर पहले से विपक्ष का हमला झेल रही थी। उस मोर्चे पर खुद को मजबूत नहीं कर पाई है।

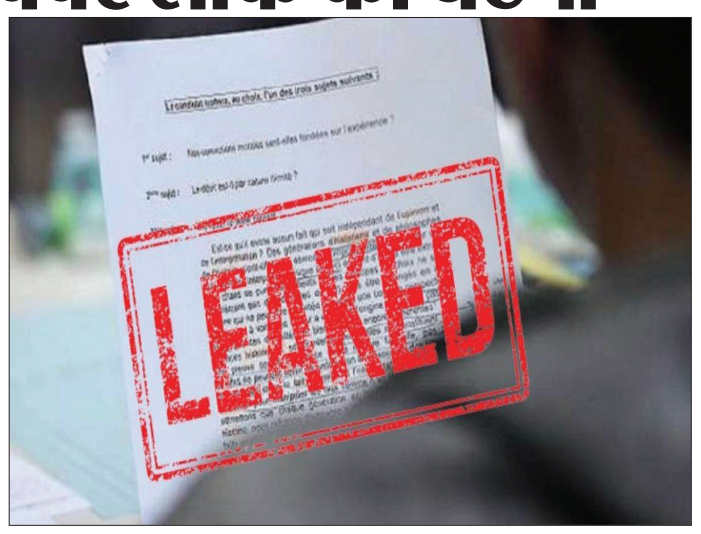

31 साल बाद लाल चौक पर राहुल ने फहराया तिरंगा कभी पीएम मोदी ने झंडा फहराकर बटोरी थी सुर्खियां

श्रीनगर (एजेंसी)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जम्मू-कश्मीर पहुंच गई है। इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक पर तिरंगा फहरा दिया है। 31 साल पहले नरेंद्र मोदी ने लाल चौक पर तिरंगा फहराने को लेकर काफी सुर्खियां बटोरी थीं। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का समापन समारोह 30 जनवरी सोमवार को आयोजित किया है। इस कार्यक्रम की बड़े स्तर पर तैयारी की गई है।

राहुल गांधी सुबह 11 बजे के करीब पंथा से यात्रा को शुरू की और 12 बजे लाल चौक पर पहुंचकर तिरंगा फहराया। राहुल की इस यात्रा और कार्यक्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में है। इस दौरान राहुल के साथ कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं समेत प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। 30 जनवरी को श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

सन 1992 में भाजपा ने एकता यात्रा निकालने का प्लान तैयार किया है। इस यात्रा की कमान नरेंद्र मोदी के हाथ में थी। इस दौरान जम्मू कश्मीर में आतंकवाद इतने चरम स्तर पर था कि लाल चौक पर तिरंगा फहराना जान से जोखिम लेने के बराबर था। मोदी की अगुवाई में भाजपा ने लाल चौक पर तिरंगा लहराने की योजना तय की। इसके बाद पीएम मोदी ने खुली चुनौती दी थी कि अगर किसी में हिम्मत है तो वह लाल चौक पर तिरंगा लहराने से रोक ले।

कहने के मुताबिक मोदी और मुरली मनोहर जोशी 26 जनवरी को श्रीनगर के लाल चौक पर पहुंचे और तिरंगा फहरा दिया। एक दौर था जब लाल चौक आतंकी और देश विरोधी गतिविधियों का केंद्र माना जाता था। बदलते वक्त और हालात में लाल चौक का महत्व बदल गया और आज यह देश के गौरवशाली जगहों में से एक माना जाता है। यहां तिरंगा फहराने को लेकर काफी किस्से हैं। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भी लाल चौक पर तिरंगा फहराया था लेकिन उस समय स्थिति ऐसी नहीं थी और जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख अब्दुल्ला हुआ करते थे।

मुगल गार्डन का नाम बदलने से क्या दिन–प्रतिदिन की ज्वलंत समस्याएं दूर हो जाएंगी : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रपति भवन के प्रसिद्ध मुगल गार्डन का नाम बदलकर 'अमृत उद्यान' किए जाने के एक दिन बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को सवाल उठाया कि नाम बदलने से क्या देश के करोड़ों लोगों की दिन-प्रतिदिन की ज्वलंत समस्याएं दूर हो जाएंगी। बसपा प्रमुख ने रविवार सुबह ट्वीट किया, 'कुछ मुट्ठी भर लोगों को छोड़कर देश की समस्त जनता जबरदस्त महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याओं से त्रस्त है, जिनके निदान पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय धर्मांतरण, नामांतरण, बायकाट और नफरती भाषणों के जरिये लोगों का ध्यान बांटने का प्रयास घोर अनुचित व अत्यंत दुःखद है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'ताज़ा घटनाक्रम में राष्ट्रपति भवन के मशहूर मुगल गार्डन का नाम बदलने से क्या देश और यहां के करोड़ों लोगों की दिन-प्रतिदिन की ज्वलंत समस्याएं दूर हो जाएंगी। वरना फिर आम जनता इसे भी सरकार द्वारा अपनी कमियों और विफलताओं पर पर्दा डालने का प्रयास ही मानेगी।' उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति भवन का प्रसिद्ध मुगल गार्डन अब 'अमृत उद्यान' के नाम से जाना जाएगा। यह उद्यान साल में एक बार जनता के लिए खुलता है। लोग इस साल 31 जनवरी से इस उद्यान की यात्रा का लुत्फ उठा सकेंगे।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को राष्ट्रपति भवन उद्यान उत्सव 2023 का उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति की उप प्रेस सचिव नविका गुप्ता ने एक बयान में कहा, ''आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन उद्यान को 'अमृत उद्यान' के रूप में समान नाम देकर प्रसन्न हैं।

सिख कैदियों की रिहाई के मामले को यूएन में उठाएगी एसजीपीसी बनाया सलाहकार बोर्ड

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) तीन दशकों से जेलों में बंद नौ बंदी सिखों रिहाई के मामले को संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के सामने उठाने का फैसला किया है। कार्यकारी समिति ने 13 सदस्यों वाले अंतर्राष्ट्रीय सिख सलाहकार बोर्ड का गठन किया है। सलाहकार बोर्ड वैश्विक स्तर पर सिख मुद्दों पर काम करेगा और भविष्य में इसके सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाएगी। एसजीपीसी प्रत्येक बंदी सिख को 20000 रुपए मानदेय भी देगी।

ये फैसले एसजीपीसी की कार्यकारिणी समिति की बैठक के दौरान लिए गए हैं। एसजीपीसी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने जेलों में बंद सिखों के साथ हो रहे अन्याय पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि यह मानवाधिकारों का बड़ा उल्लंघन है। जिसके लिए अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर आवाज उठाई जाएगी। उन्होंने कहा सिख बंदियों भाई गुरदीप सिंह खेड़ा प्रो देविंदरपाल सिंह भुल्लर भाई बलवंत सिंह राजोआना भाई जगतार सिंह हवारा भाई जगतार सिंह तारा भाई लखविंदर सिंह लाखा भाई गुरमीत सिंह भाई शमशेर सिंह और भाई परमजीत सिंह भ्योरा को 20 हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इनमें से राजोआना को यह मानदेय पहले से ही दिया जा रहा है। एसजीपीसी ने कहा है कि सिख कैदियों की रिहाई के मामले में सरकारों द्वारा अपनाई जा रही कथित भेदभावपूर्ण नीति की वह कड़ी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि हत्या और बलात्कार के आरोप में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को संरक्षण देने के लिए सरकार के खिलाफ उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर करने का फैसला किया गया है। उन्होंने बार-बार डेरा प्रमुख को पैरोल दिए जाने पर सवाल उठाया है। हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि पैरोल मिलने की खुशी किरपान से केक काटकर राम रहीम ने सिखों की धार्मिक भावनाओं को को ठेस पहुंचाई है। किरपान को सिख धर्म आस्था से जुड़ा चिह्न माना जाता है और इसका अपमान सहन नहीं किया जा सकता।

मुजफ्फरनगर में आंदोलन के लिए जुटने लगे किसान

– राकेश टिकैत ने कुंवारों के लिए की आरक्षण की मांग

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। गाजीपुर बॉर्डर के बाद एक बार फिर किसानों की कई मुद्दों को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने मुजफ्फरनगर से आंदोलन शुरुआत की है। इस बार ये आंदोलन नगर के ऐतिहासिक राजकीय इंटर कॉलिज के मैदान में शुरू किया गया है। इस आंदोलन में भी किसान अपने बिस्तर ट्रैक्टर ट्रॉली और झोपड़ी लेकर धरना स्थल पर पहुंच रहे हैं। इस अनिश्चितकालीन धरने का नेतृत्व भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत कर रहे है। इस आंदोलन में किसानों की समस्याओं के साथ राकेश टिकैत ने मंच से एक अनोखी मांग उठाई है। राकेश टिकैत ने मंच से कुंवारों के लिए आरक्षण की मांग की है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने मंच से बोलते हुए कहा कि ये फॉर्मूला तैयार कर लो कभी मार नहीं खाओगे। एक ट्रैक्टर 15 आदमी 8 दिन और एक गांव कोई ज्यादा नहीं है इतने तो गांव में कुंवारे हैं। उन कुंवारों को सौंप दो ये ही चला देंगे आंदोलन। हमने कुंवारों के आरक्षण की बात की है। दस प्रतिशत हिस्सा प्रधानी सरपंची और विधायकी में ओरिजनल कुंवारों को मिलेगा। ये कुंवारे ही सारे आंदोलन को चला देंगे तुम्हारी ज़रूरत ही नहीं पड़ेगी। जब सरकार चला रहे हैं तो ये भी चलाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा कुंवारों का एक अध्यक्ष भी हैं। प्रधानी में भी रहेगा और यूनियन में भी भागीदारी रहेगी। उनको पद दिए जाएंगे। यहीं झोपड़ी लगाओ झंडे-बैनर लगाओ और अपने नाम लिखो।

दिल्ली में एक्टिव हुए खालिस्तान के स्लीपर सेल, हमले की चेतावनी के बीच दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर से आतंक का खतरा मंडरा रहा है। इस बार खालिस्तानी स्लीपर सेल राजधानी दिल्ली में एक्टिव हुए है। इसकी जानकारी खुफिया एजेंसियों ने दी है। एजेंसियों के इनपुट के मुताबिक बड़े हमले की भी संभावना है। दिल्ली एंसीआर में खालिस्तानी स्लीपर सेल के आतंकी नेटवर्क एक्टिव हुए है।

पुलिस को पश्चिमी दिल्ली के कई इलाकों में खालिस्तान समर्थक पोस्टर मिले है। इसके बाद पुलिस महकमे में भी हडकंप मच गया है। इसके अलावा कुल वॉयस कॉल रिकार्ड किए गए हैं। बड़े हमले के इनपुट के बाद से नाकाबंदी और चेकिंग अभियान में भी तेजी कर दी गई है। पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में सर्विलांस से निगरानी तेज की है। वहीं इससे पहले 12 जनवरी को कई इलाकों में खालिस्तानी पोस्टर मिले थे। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

इन इलाकों में मिले पोस्टर: जानकारी के मुताबिक पुलिस को विकासपुरी, जनकपुरी, पश्चिम विहार, पीरागढ़ी और पश्चिमी दिल्ली के अन्य हिस्सों में खालिस्तान के समर्थन में पोस्टर मिले है। इन पोस्टर के मिलने के बाद अंदेशा लगाया गया है कि खालिस्तान की तरफ से बड़ी साजिश को अंजाम देने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने इन पोस्टरों को हटाया है और दीवारों को फिर से पेंट कर दिया है। पुलिस ने आईपीसी की धाराओं में मामला दर्ज किया था।

हाल ही में पोस्ट किया था वीडियो: भारत 26 जनवरी को अपना 73वां गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है, वहीं सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) के आतंकवादी गुरुपतवंत सिंह पन्नू ने आतंकवादी हमले को अंजाम देने का दावा करते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था। पोस्ट किए गए वीडियो में उसने 2023 में पंजाब को भारतीय कब्जे से मुक्त करने÷ का दावा किया। दिल्ली हमारा लक्ष्य होगा और हम खालिस्तान का झंडा फहराएंगे। वीडियो में पन्नू ने कहा गया है कि जो खालिस्तान का झंडा लाल किले पर फहराएगा उसे 5 लाख डॉलर का इनाम दिया जाएगा।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उप्र में कांग्रेस ने हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू किया

लखनऊ। (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद पार्टी ने अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में ग्रामीण स्तर तक अपनी पकड़ मजबूत करने और पहुंच बनाने के लिए हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू किया है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस महासचिव और उप्र की प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा कार्यक्रम के लिए फरवरी माह में राज्य का दौरा कर सकती हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा अभियान का उद्देश्य जमीनी स्तर पर लोगों को केंद्र सरकार की विफलताओं से अवगत कराना है। राहुल गांधी द्वारा भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अपने अनुभव साझा करने वाले एक पत्र के साथ, कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का लक्ष्य अगले दो महीने की अवधि के दौरान पूरे राज्य में लोगों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करने के लिए तहसील, ब्लॉक और गांव स्तर तक प्रचार करना है।

उप्र कांग्रेस के प्रवक?ता अशोक सिंह ने बताया, '' गणतंत्र दिवस से शुरू इस अभियान का उद्देश्य लोगों को समाज में देखी जा रही नफरत और उप्र की मौजूदा स्थिति से अवगत कराना है। हमने किसानों की आत्महत्या, युवाओं के साथ विश्वासघात और कैसे उनके सपनों को केंद्र और राज्य सरकारों ने तोड़ा है, जैसे मुद्दों पर सरकार के खिलाफ 'चार्जशीट' में कुछ तथ्य प्रस्तुत किये हैं।'' उन्होंने कहा कि इस अभियान के लिये राज्य के सभी 849 प्रखंडों के प्रभारियों को अंतिम रूप दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान कांग्रेस के नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर जनता से संवाद करेंगे। सिंह ने कहा, अब हम हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा अभियान के माध्यम से लोगों के कल्याण के मुद्दों पर जनता के पास जाएंगे, जिसमें पूर्व सांसद, विधायक, एमएलसी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता और क्षेत्रीय अध्यक्ष और उप्र कांग्रेस के अध्यक्ष भी शामिल होंगे।

सिंह ने कहा कि गांवों में चौपाल और सभा आयोजित कर देश और प्रदेश की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस अभियान के प्रभारी हरियाणा से राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा एक दो दिन में इसका जायजा लेने लखनऊ आएंगे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी के मुताबिक कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी प्रांतीय अध्यक्षों ने विस्तार से चर्चा की है। सिद्दीकी ने कहा कि उप्र के 75 जिलों में पूर्व मंत्रियों, सांसदों, विधायकों को जिला समन्वयक की जिम्मेदारी दी गई है और लोगों को इस दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का पत्र सौंपा जाएगा। गांधी के इस पत्र में उनकी कन्याकुमारी से कश्मीर तक की यात्रा के दौरान के मीठे और खट्टे अनुभव के साथ-साथ देश और राज्य में बेरोजगारी, महंगाई और भाजपा सरकार के कथित अत्याचारों का भी जिक्र होगा।

सिद्दीकी ने कहा कि गांव-गांव में चौपाल लगाकर जनता से चर्चा की जाएगी। सिद्दीकी ने कहा, ''अगर किसी को लगता है कि सरकार ने महिलाओं के साथ अन्याय किया है तो उनके लिए खुला ऑफर है, प्रियंका गांधी उनके लिए लड़ेंगी और उन्हें उनका हक दिलाएंगी।''

सिद्दीकी ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के संदेश को प्रदेश मुख्यालय से ब्लॉक स्तर तक ले जाने का लक्ष्य है। जनवरी में दिल्ली से उप्र को पार करने के दौरान राहुल गांधी नीत 'भारत जोड़ो यात्रा' ने हरियाणा में प्रवेश करने से पहले गाजियाबाद, बागपत और शामली की यात्रा की थी। मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी की सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल राज्य में बागपत में यात्रा में शामिल हुई थी।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने यात्रा को शुभकामनाएं दी थीं, लेकिन दोनों उसमें शामिल नहीं हुए थे। राज?य में 2017 के विधानसभा चुनाव में सात सीट पर चुनाव जीतने वाली कांग्रेस 2022 के चुनाव में दो सीट पर सिमट गयी और अब 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए अपनी जमीन मजबूत करने का प्रयास कर रही है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में सोनिया गांधी की रायबरेली सीट पर ही कांग्रेस पार्टी जीत हासिल कर सकी। यहां तक कि उसके शीर्ष नेता राहुल गांधी भी पिछले आम चुनाव में परिवार की पारंपरिक अमेठी सीट से हार गए थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झारखंड से ही आरटीआई कानून की रक्षा का लें संकल्प, प्रारंभ करें एक नया आंदोलन - अरुणा राय

प्रस्तावित डेटा बिल के आरटीआई कानून के दुष्प्रभावी संशोधन पर झारखंड हजारीबाग में कार्यकर्ताओं ने कसी कमर

यदि डेटा बिल अपने वर्तमान स्वरूप में पारित होगा तो राशन पेंशन की जानकारी मिलना होगा मुश्किल - निखिल डे

आरटीआई कानून को मजबूत करने और सूचना आयुक्तों की नियुक्तिके लिए झारखंड की जनता को आगे आना होगा - राहुल सिंह

सूचना के अधिकार मामलों को लेकर आयोजित किए गए 136 वें राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार में झारखंड हजारीबाग में आयोजित दो दिवसीय सूचना के अधिकार की रक्षा, संवर्धन और प्रचार-प्रसार विषय पर सेमिनार को ऑनलाइन वेबीनार से जोड़ते हुए ३ घंटे का कार्यक्रम आयोजित किया गया.इस बीच देश के जाने-माने आरटीआई कार्यकर्ताओं, सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों और वर्तमान एवं पूर्व राज्य सूचना आयुक्तसहित केंद्रीय सूचना आयुक्त ने कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दी।

प्रस्तावित डेटा बिल का वर्तमान मसौदा आरटीआई कानून के लिए घातक, सामान्य जानकारी मिलना होगा मुश्किल - निखिल डे

मजदूर किसान शक्ति संगठन और एनसीपीआरआई के सह-संस्थापक निखिल डे ने बताया कि यदि डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल का प्रस्तावित मसौदा लागू होगा तो इससे आरटीआई कानून में गलत ढंग से संशोधन किया जाकर सामान्य जानकारी मिलना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने सहभागियों के प्रश्नों के जवाब देते हुए सभी को अवगत कराया कि किस प्रकार राजस्थान में जन सूचना पोर्टल के माध्यम से छोटी-छोटी जानकारियां हासिल कर भ्रष्टाचार को रोका जा सकता है। उन्होंने स्लाइड प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिखाया कि कैसे राजस्थान सरकार द्वारा जन सूचना पोर्टल में सभी विभागों की सामान्य से लेकर सभी जानकारियां साझा की जा रही है और चाहे वह माइनिंग से संबंधित हो, खनिज संपदा के दोहन से संबंधित हो अथवा राशन या पेंशन की जानकारी हो सभी कुछ आसानी से प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि डेटा बिल का प्रस्तावित मसौदा लागू हो जाएगा तो धारा 4 के तहत यह सब जानकारी व्यक्तिगत जानकारी बताते हुए पोर्टल से हटा दी जाएंगी जिससे पारदर्शिता पर बड़ा आघात लगेगा।

निखिल डे ने सभी देश के नागरिकों और आरटीआई कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर डेटा बिल के प्रस्तावित प्रावधान से आरटीआई कानून को प्रभावित करने वाले मसौदे को हटाए जाने की बात की है।

झारखंड की धरती से ही करें एक नए आंदोलन की आगाज, आरटीआई कानून की रक्षा हमारा पहला उद्देश्य - अरुणा राय

प्रसिद्ध समाजसेविका एवं मजदूर किसान शक्तिसंगठन की सह संस्थापक अरुणा राय ने कहा कि आरटीआई कानून को अस्तित्व में लाने के लिए राजस्थान की धरती से आंदोलन चालू हुआ और किस प्रकार मजदूर किसान शक्ति संगठन से जुड़े हुए मजदूरों और किसानों ने इस आंदोलन को नई ऊर्जा दी थी। परंतु आज जब आरटीआई कानून पर एक बार पुन: खतरा मंडरा रहा है और लोकतंत्र में पारदर्शिता के विरोधी तत्वों द्वारा आरटीआई कानून पर आघात लगाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में झारखंड हजारीबाग की धरती पर आयोजित इस सेमिनार से ही आरटीआई कानून को बचाने का संकल्प लेते हुए एक नया आंदोलन प्रारंभ किया जाए। उन्होंने निखिल डे, राहुल सिंह एवं उपस्थित प्रतिभागियों की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अब इसी प्रकार का एक बड़ा आंदोलन दिल्ली में किया जाना चाहिए और जन समर्थन जुटाया जाना चाहिए तभी आरटीआई कानून को बचाया जा सकेगा।

झारखंड में मुख्य सूचना आयुक्तकी नियुक्तिऔर सूचना आयोग के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनता को आगे आने की आवश्यकता - राहुल सिंह

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

झारखंड में हजारीबाग में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के समापन दिवस 29 जनवरी 2023 को उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश के वर्तमान राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने कहा की झारखंड राज्य में मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति न होना एक चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि एक लंबे अरसे से वेबीनार के माध्यम से भी झारखंड क्षेत्र के जुड़ने वाले साथियों के माध्यम से यह जानकारी प्राप्त होती रही है कि कैसे झारखंड के आम नागरिक सूचना प्राप्त करने के लिए परेशान हो रहे हैं क्योंकि वहां विधानसभा में विपक्षी दल का नेता न होने से मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति नहीं की जा सकी है। जिसकी वजह से सूचना आयोग क्रियाशील नहीं है। इस विषय पर राहुल सिंह ने कहा कि झारखंड की जनता को इसके लिए आगे आना पड़ेगा और मिलकर आवाज उठानी पड़ेगी। उन्होंने उपस्थित सहभागियों के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा की प्रस्तावित डेटा बिल के माध्यम से आरटीआई कानून के संशोधन से आरटीआई कानून लगभग समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कोर्ट के द्वारा दिए जा रहे निर्णय के विषय में भी चर्चा करनी चाहिए लेकिन हम सकारात्मक निर्णय पर भी केंद्रित करें।

कार्यक्रम में वेबीनार के माध्यम से पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने भी अपने विचार रखे और स्लाइड शो प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तावित डेटा बिल से आरटीआई कानून को होने वाली हानि के विषय में अपनी प्रस्तुति दी और बताया कि कैसे डेटा बिल की धारा 29(2) और 30(2) दोनों ही हटाई जानी आवश्यक है अन्यथा आरटीआई कानून पूरी तरह से निष्प्रभावी हो जाएगा।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के पूर्व राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप एवं माहिती अधिकार मंच मुंबई के संयोजक एवं वरिष्ठ आरटीआई कार्यकर्ता भास्कर प्रभु ने भी अपने विचार रखे।